OKRA/BHINDI PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Okra/Bhindi seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Okra/Bhindi seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Okra/Bhindi seeds provide excellent germination & better vigour with tolerance to biotic & abiotic stresses.
Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Okra/Bhindi Hybrid	**Kubera, Tender, Indus-101, Sujoy, Veda (No. 7)**	**Aditya, Garima, Jhalak, Indus-33**	**Amogh, Anika, BH-106, Janki, Veda No. 7, Indus-161**	**BH-21, Jay Ho, Rustom**	**Nagma**							
Duration	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS							
Kharif	Suitable	Suitable	Suitable	Suitable	Suitable							
Rabi	Suitable	Suitable	Suitable	Suitable	Suitable							
Spring	Early spring	Early spring	Early spring	Early spring	Early spring							
Source of Irrigation	Flood/Drip	Flood/Drip	Flood/Drip	Flood/Drip	Flood/Drip							

Please note according to weather conditions crop growth & maturity may be different

S. No.	Particulars/ operations/Practice	Details of operation. input per acre
1	Suitability of the area/Agro-climatic zone	Long warm seasons is very suitable for Okra. Okra is sensitive to frost and seeds does not germinate below 20 C . Best growth between 25-30 C
2	Land. Soil	Well drained sandy loams and clay loam, pH of 6.0-6.8 is ideally suited.
3	Season. Sowing/planting time	June-oct, Feb-April in South India. July-Aug , Feb- March in Northen and Western India, June-July in Eastern India
4	Seed rate. Sowing/planting method.	2.5-4.0kg depending on the hybrid. Ridges and furrows.
5	Preparation of Main field and planting	Apply 10 tones of decomposed FYM followed by harrowing to mix in the soil. * Form ridges and furrows * Apply basal dose of fertilizers in furrows and cover the fertilizer * Irrigate the field two day prior to sowing. * Dibble two seed per hill, immediately give light irrigation for quick and better Germination
6	Spacing	Row to Row: 60 cm; Plant to plant: 30cm
7	Seed treatment before sowing	Seed treated with Imidacloprid 2 ml/kg gives early protection
8	Manures and Fertilizers	* Basal dose before sowing : 30:40:40 Kg NPK * First top dressing 20-25 days after sowing:20kg N * Second top dressing 20-25 days after first top : 20 kg N
9	Irrigation schedule	Irrigate field depending on soil type. Light and frequent irrigation once in 5-6days interval. Ensure sufficient moisture at root zone especially during flowering fruit stage.
10	Weeding/ inter cultivation	Two hand weeding is required to keep the plots free of weed. Earthing up at 30 and 60 days after sowing.
11	Micronutrient/growth regulator sprays	Spray Calcium Nitrate(1% solution) at the time of flowering to increase fruit setting.
12	Pest and Disease control	Powdery Mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per liter) or Chlorothalonil 75% WP 1.0 ml/Liter Cercospora Leaf Spot: use Carbendazim (1gm/litre) Whiteflies: Imidacloprid 30.5% SC (0.5 ml/litre) Fruit Borer: Emamectin Benzoate 5% SG (0.5 gm/litre) Aphids/Thrips: Flonicamid 50 % WG (0.5 gm/litre) or Flubendiamide 8.33 % + Deltamethrin 5.56 % w/w SC (0.5 ml/liter) Fusarium Wilt : Drench with Carbendazim (1gm/litre) To control YVMV and ELCV, use tolerant varieties and control whitefly population. For more information to control & disease in field, please consult your local agriculture officers.
13	Harvest	First picking of Tender green pods starts from 45-50 DAS. Harvest tender pods alternate days.
14	Expected yield	Well managed okra yields 15-20 tons green pods/ acre under ideal conditions.
15	Storage	Ideally storage temperature is 7-10 °C with 90-95% relative humidity
16	Don't Do	Control over using of nitrogen, Avoid planting in shade.
17	Do's	Please do crop rotation with other crops like cucurbits are solanaceous
Note	The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.	
Precautions	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.	

CRYSTAL Inspiring Growth

I&B Seeds INDUS SEEDS SEED & PLANT SCIENCE

भिंडी की खेती के तरीके

बधाई हो! आपने क्रिस्टल परिवार के भिंडी की बेहतरीन किस्म के बीजों में से एक को चुना है। क्रिस्टल कंपनी को उच्च दर्जे के भिंडी के बीजों के उत्पादन का समृद्ध अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं, ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसलें विकसित की जा सकें। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सकें। क्रिस्टल के भिंडी के बीजों में उच्च अंकुरण क्षमता, मजबूत पौध वृद्धि और रोग तथा पर्यावरणीय तनावों के प्रति अच्छी सहनशीलता होती है।

बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुशंसित तरीकों को अपनाएँ। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया इन्हें अच्छी तरह पढ़ लें।

हाइब्रिड भिंडी	**हाइब्रिड. कुबेर, हाइब्रिड. टेंडर, इंडस-१०१, सुजॉय, वेदा (नं.७)**	**आदित्य, गरिमा, हाइब्रिड. झलक, इंडस-३३**	**अमोघ, अनिका, बीएच-१०६, हाइब्रिड. जानकी, हाइब्रिड. वेदा (नं.७), इंडस-१६१**	**बीएच-२१, हाइब्रिड. जय हो, रस्तम**	**नगमा**							
अवधि	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS							
खरीफ	उपयुक्त	उपयुक्त	उपयुक्त	उपयुक्त	उपयुक्त							
रबी	उपयुक्त	उपयुक्त	उपयुक्त	उपयुक्त	उपयुक्त							
वसंत	शुरुआती वसंत	शुरुआती वसंत	शुरुआती वसंत	शुरुआती वसंत	शुरुआती वसंत							
सिंचाई का स्रोत	भरपूर / ड्रिप सिंचाई	भरपूर / ड्रिप सिंचाई	भरपूर / ड्रिप सिंचाई	भरपूर / ड्रिप सिंचाई	भरपूर / ड्रिप सिंचाई							

कृपया ध्यान रखें कि जलवायु की स्थिति के अनुसार फसल वृद्धि और परिपक्व होने का समय अलग-अलग हो सकता है

क्रम सं.	विवरण/ संचालन/तरीका	कार्यप्रणाली का विवरण। प्रति एकड़ लागत
1	क्षेत्र की उपयुक्तता / कृषि-जलवायु क्षेत्र	भिंडी की खेती के लिए लंबे गर्म मौसम अनुकूल होते हैं। भिंडी ठंडे मौसम को सहन नहीं कर पाती और इसके बीज 20 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान में अंकुरित नहीं होते। 25-30 डिग्री सेल्सियस के तापमान में उत्तम विकास
2	भूमि। मिट्टी	पर्याप्त जल निकासी वाली बलुई दोमट और चिकनी दोमट मिट्टी जिसका pH 6.0-6.8 हो, सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है।
3	मौसम। बुवाई/रोपाई का समय	दक्षिण भारत में जून–अक्टूबर, फरवरी–अप्रैल उत्तर एवं पश्चिमी भारत में जुलाई से अगस्त, फरवरी से मार्च, तथा पूर्वी भारत में जून से जुलाई
4	बीज दर। बुवाई/रोपाई का तरीका।	हाइब्रिड के प्रकार के आधार पर 2.5 से 4.0 किलोग्राम मेड़ और नालियाँ।
5	मुख्य खेत की तैयारी और रोपाई	गोबर की 10 टन सड़ी हुई खाद डालें और जुताई करें ताकि यह मिट्टी में मिल जाए। * मेड़ और नालियाँ बनाएँ * खाँचों में आधार खुराक के रूप में उर्वरक डालें और ढक दें * बीज बोने से दो दिन पहले खेत में पानी दें। * हर मेड़ पर दो बीज बोएँ और तुरंत थोड़ा पानी से सिंचाई करें, जिससे बीज तेज़ी से अंकुरित हों
6	पौधों के बीच दूरी	पंक्तियों के बीच 60 सेमी और पौधों के बीच 30 सेमी की दूरी रखें
7	बुआई से पहले बीज उपचार	बीज का इमिडाक्लोप्रिड 2 मि.ली./किलो से उपचार करने पर फसल को प्रारंभिक सुरक्षा प्राप्त होती है
8	जैविक और रासायनिक उर्वरक	* बीज बोने से पहले आधार खुराक: 30:40:40 किग्रा NPK * पहला टॉप ड्रेसिंग 20–25 दिन में करें, जिसमें 20 किग्रा N डालें * पहली टॉप ड्रेसिंग के 20–25 दिन बाद दूसरी टॉप ड्रेसिंग: N 20 किग्रा
9	सिंचाई कार्यक्रम	मिट्टी की स्थिति के हिसाब से सिंचाई करें। 5–6 दिन के अंतराल में हल्की और नियमित सिंचाई करें। फूल आने और फल लगने के समय जड़ों के आसपास पर्याप्त नमी सुनिश्चित करें।
10	निराई/ खेत की बीच-बीच में जुताई	प्लॉट में खरपतवार न होने देने के लिए दो बार हाथ से जुताई करें। 30 और 60 दिन के बाद पौधों के आसपास मिट्टी भरें।
11	पोषक तत्व और विकास नियामक का छिड़काव	पौधे में ज्यादा फल लगे, इसके लिए फूल आने पर 1% कैल्शियम नाइट्रेट का छिड़काव करें।
12	कीट-पतंग और रोग नियंत्रण	पाउडरी मिल्ड्यू: टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (0.5–1 ग्राम/लीटर) या क्लोरोथालोनिल 75% WP (1.0 मि.ली./लीटर) सर्कोस्पोरा लीफ स्पॉट: कार्बेन्डाज़िम (1 ग्राम/लीटर) का प्रयोग करें व्हाइटफ्लाइज: इमिडाक्लोप्रिड 30.5% SC (0.5 मि.ली./लीटर) फ्रूट बोरर: एमामेक्टिन बेंजोएट 5% SG (0.5 ग्राम/लीटर) एफिड्स/थ्रिप्स: फ्लोनिकामिड 50% WG (0.5 ग्राम/लीटर) या फ्लुबेंडियामाइड 8.33% + डेल्टामेथ्रिन 5.56% w/w SC (0.5 मि.ली./लीटर) फ़्यूज़ेरियम वील्ट: मिट्टी में कार्बेन्डाज़िम (1 ग्राम/लीटर) डालें। YVMV एवं ELCV से बचाव हेतु प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करें और व्हाइटफ्लाई की आबादी पर नियंत्रण रखें। <u>खेत में रोग और कीट नियंत्रण के संबंध में अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारियों से सलाह लें।</u>
13	फसल काटना	बुवाई के 45–50 दिन बाद कोमल हरी फलियों को तोड़ा जाता है। कोमल फलियों को हर दूसरे दिन तोड़ें।
14	अनुमानित उपज	उपयुक्त प्रबंधन और आदर्श स्थितियों में प्रति एकड़ भिंडी की 15–20 टन हरी फली की उपज होती है।
15	भंडारण	स्टोरेज के लिए उपयुक्त तापमान 7–10°C और सापेक्षिक आर्द्रता 90–95% होनी चाहिए
16	क्या न करें	नाइट्रोजन का संतुलित उपयोग करें और पौधारोपण के लिए धूप वाले स्थान का चयन करें।
17	क्या करें	फसल चक्र में कुकुर्बिट और सोलनेसीस जैसी अन्य फसलों को शामिल करें
नोट	यह जानकारी सिर्फ़ सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष क्षेत्र से जुड़ी अनुशंसाओं के लिए कृपया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें।	
सावधानियाँ	फसल वृद्धि और उपज पर अलग-अलग तत्वों का प्रभाव पड़ सकता है। अतः सलाह है कि सुझाव के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारी से परामर्श करें। यह सुनिश्चित करें कि बेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, उर्वरक और कीटनाशक की खरीद के बिल अपने पास रखें।	

ભીંડા/ભીંડી ખેતી માટેની ભલામણ કરેલી પદ્ધતિઓ

અભિનંદન! તમે ક્રિસ્ટલ પરિવારમાંથી શ્રેષ્ઠ ભીંડા/ભીંડી બીજમાંથી એક પસંદ કર્યું છે. ક્રિસ્ટલને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા ભીંડા/ભીંડી બીજનું ઉત્પાદન કરવાનો સારો અનુભવ છે. આ બીજ વ્યાપક સંશોધનનું પરિણામ છે, જેનો ઉદ્દેશ્ય વિવિધ કૃષિ આબોહવા માટે યોગ્ય ઉચ્ચ ઉપજ આપતા હાઇબ્રિડ પાક વિકસાવવાનો છે. ખેડૂતોને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા બીજ મળે તે સુનિશ્ચિત કરવા માટે ક્રિસ્ટલ બીજ ઉત્પાદન દરમિયાન નવીનતમ તકનીકો અપનાવે છે. ક્રિસ્ટલના ભીંડા/ભીંડી બીજ ઉત્તમ અંકુરણ અને વધુ સારી શક્તિ પ્રદાન કરે છે. સાથે જૈવિક અને અજૈવિક તાણ સહન કરે છે.
ઉત્તમ ઉપજ મેળવવા માટે કૃપા કરીને શ્રેષ્ઠ ખેતી પદ્ધતિઓ અપનાવો. નીચે આપેલ સામાન્ય ભલામણો આપવામાં આવી છે, તેથી અમે તમને કોઈપણ નિર્ણય લેતા પહેલા આ ભલામણો વાંચવા વિનંતી કરીએ છીએ.

ભીંડા/ભીંડી હાઇબ્રિડ	હાઇબ્રિડ. કુબેર, હાઇબ્રિડ. ટેંડર, ઇંડસ-૧૦૧, સુજાય, વેદા (નં.૭)	આદિત્ય, ગરિમા, હાઇબ્રિડ. ઝલક, ઇંડસ-૩૩	અમોઘ, અનિકા, બીએચ-૧૦૬, હાઇબ્રિડ. જાનકી, હાઇબ્રિડ. વેદા (નં.૭), ઇંડસ-૧૬૧	બીએચ-૨૧, હાઇબ્રિડ. જય હો, રસ્તમ	નગમા							
સમયગાળો	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS							
ખરીફ	યોગ્ય	યોગ્ય	યોગ્ય	યોગ્ય	યોગ્ય							
રાબી	યોગ્ય	યોગ્ય	યોગ્ય	યોગ્ય	યોગ્ય							
વસંત	વસંતઋતુની શરૂઆતમાં	વસંતઋતુની શરૂઆતમાં	વસંતઋતુની શરૂઆતમાં	વસંતઋતુની શરૂઆતમાં	વસંતઋતુની શરૂઆતમાં							
સિંચાઈનો સ્ત્રોત	પૂર/ટપક	પૂર/ટપક	પૂર/ટપક	પૂર/ટપક	પૂર/ટપક							

કૃપા કરીને નોંધ લો કે હવામાન પરિસ્થિતિઓ અનુસાર પાકનો વિકાસ અને પરિપક્વતા અલગ અલગ હોઈ શકે છે.

ક્રમ નં.	વિગતો/કામગીરી/પ્રેક્ટિસ	કામગીરીની વિગતો. પ્રતિ એકર ઇનપુટ
1	વિસ્તાર/કૃષિ-આબોહવા ક્ષેત્રની યોગ્યતા	ભીંડા માટે લાંબી ગરમ ઋતુ ખૂબ જ યોગ્ય હોય છે. ભીંડા હિમ પ્રત્યે સંવેદનશીલ હોય છે અને બીજ 20 સેલ્સિયસથી નીચે અંકુરિત થતા નથી. 25-30 સેલ્સિયસ વચ્ચે શ્રેષ્ઠ વૃદ્ધિ
2	જમીન. માટી	સારી રીતે નિતારાયેલી રેતાળ લોમ અને માટીની લોમ, 6.0-6.8 pH આદર્શ રીતે યોગ્ય છે.
3	ઋતુ. વાવણી/વાવેતરનો સમય	દક્ષિણ ભારતમાં જૂન-ઓક્ટોબર, ફેબ્રુઆરી-એપ્રિલ. ઉત્તર અને પશ્ચિમ ભારતમાં જુલાઈ-ઓગસ્ટ, ફેબ્રુઆરી-માર્ચ, પૂર્વ ભારતમાં જૂન-જુલાઈ
4	બીજ દર. વાવણી/વાવેતર પદ્ધતિ.	હાઇબ્રિડ પર આધાર રાખીને 2.5-4.0 કિગ્રા. પટ્ટાઓ અને ચાસ.
5	મુખ્ય ખેતરની તૈયારી અને વાવેતર	10 ટન વિઘટિત છાણિયું ખાતર નાખો અને ત્યારબાદ જમીનમાં ભેળવીને કાપણી કરો. * પટ્ટાઓ અને ચાસ બનાવો * ચાસમાં ખાતરનો મૂળ ડોઝ આપો અને ખાતરને ઢાંકી દો. * વાવણીના બે દિવસ પહેલા ખેતરમાં પાણી આપો. * ઝડપી અને સારા અંકુરણ માટે દરેક ટેકરી પર બે બીજ ખોદીને તરત જ હળવું પાણી આપો.
6	અંતર	લાઈન થી લાઈન : 60 સેમી; છોડથી છોડ: 30 સેમી
7	વાવણી પહેલાં બીજ માવજત	ઇમિડાક્લોપ્રિડ 2 મિલી/કિલો સાથે સારવાર કરાયેલ બીજ પ્રારંભિક રક્ષણ આપે છે.
8	ખાતર અને ખાતરો	* વાવણી પહેલાં મૂળભૂત માત્રા: 30:40:40 કિગ્રા NPK * વાવણી પછી 20-25 દિવસ પછી પહેલું ટોપ ડ્રેસિંગ: 20 કિલો N * પ્રથમ ટોપ પછી 20-25 દિવસ પછી બીજું ટોપ ડ્રેસિંગ: 20 કિલો N
9	સિંચાઈ સમયપત્રક	જમીનના પ્રકાર પર આધાર રાખીને ખેતરમાં સિંચાઈ કરો. 5-6 દિવસના અંતરાલમાં એકવાર હળવું અને વારંવાર સિંચાઈ કરવી. ખાસ કરીને ફૂલોના ફળના તબક્કા દરમિયાન મૂળ વિસ્તારમાં પૂરતો ભેજ સુનિશ્ચિત કરો.
10	નીંદણ/આંતરખેતી	પ્લોટને નીંદણ મુક્ત રાખવા માટે બે હાથે નીંદણ કરવું જરૂરી છે. વાવણી પછી 30 અને 60 દિવસે માટી ખોદવી.
11	સૂક્ષ્મ પોષકતત્વો/વૃદ્ધિ નિયમનકાર સ્પ્રે	ફળ બેસવાની ક્ષમતા વધારવા માટે ફૂલો આવવાના સમયે કેલ્શિયમ નાઇટ્રેટ (1% દ્રાવણ) નો છંટકાવ કરો.
12	જીવાત અને રોગ નિયંત્રણ	પાવડરી ફૂગ: ટેબુકોનાઝોલ 50% + ટ્રાઇફ્લોક્સીસ્ટ્રોબિન 25% ડબલ્યુજી (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) અથવા ક્લોરોથાલોનિલ 75% ડબલ્યુપી 1.0 મિલી/લિટર સર્કોસ્પોરા લીફ સ્પોટ: કાર્બેન્ડાઝીમ (1 ગ્રામ/લિટર) નો ઉપયોગ કરો સફેદ માખી: ઇમિડાક્લોપ્રિડ 30.5% SC (0.5 મિલી/લિટર) ફળ ખાનાર ઈયળ: ઈમામેક્ટીન બેન્ઝોએટ 5% SG (0.5 ગ્રામ/લિટર) મોલો/થ્રીપ્સ: ફ્લોનીકામિડ 50% WG (0.5 ગ્રામ/લિટર) અથવા ફ્લુબેન્ડિયામાઇડ 8.33% + ડેલ્ટામેથ્રિન 5.56% SC (0.5 મિલી/લિટર) સાથે ફ્યુઝેરિયમ વિલ્ટ: કાર્બેન્ડાઝીમ (1 ગ્રામ/લિટર) સાથે બીજવો YVMV અને ELCV ને નિયંત્રિત કરવા માટે, સહિષ્ણુ જાતોનો ઉપયોગ કરો અને સફેદ માખીની વસ્તીને નિયંત્રિત કરો. <u>ખેતરમાં રોગ નિયંત્રણ અને નિયંત્રણ માટે વધુ માહિતી માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીઓનો સંપર્ક કરો.</u>
13	લણણી	નરમ લીલા ફળની પ્રથમ તુડાઈ વાવણી પછી 45 થી 50 દિવસમાં શરૂ થાય છે એક પછી એક દિવસે કુમળી ફળોની કાપણી કરો.
14	અપેક્ષિત ઉપજ	આદર્શ પરિસ્થિતિઓમાં સારી રીતે મેનેજ કરાયેલ ભીંડા 15-20 ટન લીલી ફળો/એકર આપે છે.
15	સંગ્રહ	આદર્શ રીતે સંગ્રહ તાપમાન 7-10 °C અને 90-95% સંબંધિત ભેજ હોવો જોઈએ.
16	ના કરો	નાઇટ્રોજનના ઉપયોગ પર નિયંત્રણ રાખો. છાંયડામાં વાવેતર કરવાનું ટાળો.
17	શું કરવું	કૃપા કરીને અન્ય પાક સાથે પાકની ફેરબદલી કરો જેમ કે કાકડી સોલાનેસીયસ હોય છે.
નોંધ	ઉપરોક્ત માહિતી એક સામાન્ય સલાહ છે. ચોક્કસ પ્રદેશ સંબંધિત ચોક્કસ ભલામણો માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક રાજ્ય કૃષિ વિભાગનો સંપર્ક કરો.	
સાવચેતીનાં પગલાં	પાકની વૃદ્ધિ અને ઉપજ વિવિધ પરિબળોથી પ્રભાવિત થઈ શકે છે. તેથી, સલાહ માટે તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીનો સંપર્ક કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે. ખાતરી કરો કે ફક્ત ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા ખાતરો અને જંતુનાશકોનો ઉપયોગ થાય છે. બીજ, ખાતર અને જંતુનાશકોની ખરીદીના બિલ સાચવી રાખો.	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS

भेंडी पीक व्यवस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील ओकरा/भेंडीच्या सर्वोत्तम वियाण्यांपैकी एक वियाणे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे ओकरा/भेंडीचे वियाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे वियाणे. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे वियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच वियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या ओकरा/भेंडीच्या वियाणांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात.
उत्कृष्ट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृपया सर्वोत्तम शेती पद्धतींचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

ओकरा/भेंडी हायब्रीड	**हाइब्रिड. कुबेर, हाइब्रिड. टेंडर, इंडस-१०१, सुजॉय, वेदा (नं.७)**	**आदित्य, गरिमा, हाइब्रिड. झलक, इंडस-३३**	**अमोघ, अनिका, बीएच-१०६, हाइब्रिड. जानकी, हाइब्रिड. वेदा (नं.७), इंडस-१६१**	**बीएच-२१, हाइब्रिड. जय हो, रस्तम**	**नगमा**							
कालावधी	120-130 दिवसानंतर	120-130 दिवसानंतर	120-130 दिवसानंतर	120-130 दिवसानंतर	120-130 दिवसानंतर							
खरीप	योग्य	योग्य	योग्य	योग्य	योग्य							
रब्बी	योग्य	योग्य	योग्य	योग्य	योग्य							
वसंत ऋतू	वसंत ऋतूची सुरुवात	वसंत ऋतूची सुरुवात	वसंत ऋतूची सुरुवात	वसंत ऋतूची सुरुवात	वसंत ऋतूची सुरुवात							
सिंचनाचा स्रोत	पाट/ठिबक	पाट/ठिबक	पाट/ठिबक	पाट/ठिबक	पाट/ठिबक							

कृपया नोंद घ्या की, हवामानाच्या परिस्थितीनुसार पिकाची वाढ आणि परिपक्वता वेगवेगळी असू शकते.

अनु. क्र.	**तपशील/कामकाज/प्रत्यक्ष कृती**	**कार्याचे तपशील. प्रति एकर उत्पादन**
1	क्षेत्राची योग्यता/ कृषी-हवामान क्षेत्र	भेंडीसाठी दीर्घ उबदार ऋतू खूप योग्य असतो. कडाक्याची थंडी भेंडीसाठी प्रतिकूल असते आणि 20 सेल्सिअसपेक्षा कमी तापमानात वियाणे अंकुरत नाहीत. 25-30 सेल्सिअस तापमानात सर्वोत्तम वाढ होते
2	जमीन. माती	चांगला निचरा होणारा वालुकामय चिकणमाती आणि चिकणमाती 6.0-6.8 pH असलेली चिकणमाती ही उत्तम असते.
3	हंगाम. पेरणी/लागवडीची वेळ	दक्षिण भारतात जून-ऑक्टोबर, फेब्रुवारी-एप्रिल. जुलै-ऑगस्ट, फेब्रुवारी-मार्च उत्तर आणि पश्चिम भारतात, पूर्व भारतात जून-जुलै
4	वियाणांचा दर पेरणी/लागवडीची पद्धत	संकरित प्रकारानुसार 2.5-4.0 किलो. बांध आणि सरी.
5	मुख्य शेताची तयारी आणि लागवड	10 टन कुजलेले शेणखत टाका आणि नंतर जमिनीत व्यवस्थित मिसळा. * बांध आणि सरी तयार करा * सरींमध्ये खतांचा मूलभूत डोस द्या आणि सगळीकडे पसरू द्या. * पेरणीपूर्वी दोन दिवस आधी शेताला पाणी द्या. * प्रत्येक सरीवर दोन विया टोचा, लवकर आणि चांगले अंकुर फुटायला लगेच थोडे पाणी द्या
6	अंतर	प्रत्येक रोपांमध्ये: 60 सेमी; रोप ते रोप: 30 सेमी
7	पेरणीपूर्वी वियाणांवर प्रक्रिया	इमिडाक्लोप्रिड 2 मिली/किलो या प्रमाणात बीजप्रक्रिया केल्यास लवकर संरक्षण मिळते.
8	सेंद्रिय पदार्थ आणि खते	* पेरणीपूर्वी मूलभूत डोस: 30:40:40 किलो NPK * पेरणीनंतर 20-25 दिवसांनी पहिले टॉप ड्रेसिंग: 20 किलो नत्र * पहिल्या टॉपनंतर 20-25 दिवसांनी दुसरे टॉप ड्रेसिंग: 20 किलो नत्र
9	पेरणीपूर्वी वियाणे प्रक्रिया	मातीच्या प्रकारानुसार शेताला पाणी द्या. 5-6 दिवसांच्या अंतराने एकदा थोडेथोडे आणि वारंवार पाणी द्या. फळधारणेच्या अवस्थेत, मुळांच्या भागात पुरेसा ओलावा असल्याची खात्री करा.
10	खुरपणी/ आंतरमशागत	शेत तणमुक्त ठेवण्यासाठी दोन हाताने खुरपणी करणे आवश्यक आहे. पेरणीनंतर ३० आणि ६० दिवसांनी माती भरणे.
11	सूक्ष्म पोषक घटक/वाढ नियामक फवारण्या	फळधारणा वाढवण्यासाठी फुलोऱ्याच्या वेळी कॅल्शियम नायट्रेट (1% द्रावण) फवारणी करा.
12	कीटक आणि रोग नियंत्रण	भुरी बुरशी: टेबुकोनाझोले 50% + ट्रायफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) किंवा क्लोरोथॅलोनिल 75% WP 1.0 मिली/लिटर पानांवर पडणारे सर्कोस्पोरा डाग: कार्बेन्डाझिम (1 ग्रॅम/लिटर) वापरा. पांढरी माशी: इमिडाक्लोप्रिड 30.5% SC (0.5 मिली/लिटर) फळ पोखरणारी अळी: एमामेक्टिन बेंझोएट 5% SG (0.5 ग्रॅम/लिटर) मावा/फुलकिडे: फ्लोनिकामिड 50 % WG (0.5 ग्रॅम/लिटर) किंवा फ्लुबेन्डायमाइड 8.33% + डेल्टामेथ्रिन 5.56 % भा/आ SC (0.5 मिली/लिटर) फ्युझेरियम मररोग: कार्बेन्डाझिम (1 ग्रॅम/लिटर) सह फवारणी करा YVMV आणि ELCV नियंत्रित करण्यासाठी, सहनशील जाती वापरा आणि पांढऱ्या माशीची संख्या नियंत्रित करा. शेतातील नियंत्रणासाठी आणि रोगाच्या अधिक माहितीसाठी, कृपया तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घ्या.
13	कापणी	भेंडीची पहिली तोडणी 45-50 दिवसांपासून सुरू होते. कोवळ्या भेंडीची काढणी आलटून पालटून करावी.
14	अपेक्षित उत्पन्न	चांगल्या प्रकार व्यवस्थापित केलेल्या भेंडीपासून आदर्श परिस्थितीत प्रति एकर 15-20 टन हिरव्यागार भेंडी मिळतात.
15	साठवणूक	आदर्श साठवण तापमान 7-10 °C आणि 90-95% सापेक्ष आर्द्रता असणे आवश्यक आहे.
16	करू नका	नायट्रोजनच्या वापरावर नियंत्रण ठेवा, सावलीत लागवड करणे टाळा.
17	करा	कृपया इतर पिकांसोबत पीक फेरपालट जसे की काकडी सोलानेसियस अश्या पद्धतीने करा
नोंद	वरील माहिती मधून सामान्य सल्ले दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेशाशी संबंधित विशिष्ट शिफारसींसाठी कृपया तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संपर्क साधा.	
घेण्याची काळजी	पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पन्नावर विविध घटक परिणाम करू शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरली जात आहेत याची खात्री करा. वियाणे, खते आणि कीटकनाशके खरेदी करताना बिल बाळगा.	

ಬೆಂಡೆಕಾಯಿ/ಭಿಂಡಿ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳು
ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಬೆಂಡೆಕಾಯಿ/ಭಿಂಡಿ ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಆರಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೆಂಡೆಕಾಯಿ/ಭಿಂಡಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ದೃಢವಾದ ಪರಿಣತಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್‌ನ ಬೆಂಡೆಕಾಯಿ/ಭಿಂಡಿ ಬೀಜಗಳು ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಚೈತನ್ಯವನ್ನು ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳಿಗೆ ಸಹಿಷ್ಣುತೆಯೊಂದಿಗೆ ಒದಗಿಸುತ್ತವೆ. ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಭಿಂಡಿ/ಬೆಂಡೆಕಾಯಿ	ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಕುಬೇರ, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಟೆಂಡರ್, ಇಂಡಸ್-೧೦೧, ಸುಜಾಯ್, ವೇದಾ (ನಂ.೭)	ಆದಿತ್ಯ, ಗರಿಮಾ, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಝುಲಕ್, ಇಂಡಸ್-೩೩	ಅಮೋಘ, ಅನಿಕಾ, ಬಿಎಚ್-೧೦೬, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಜಾನಕಿ, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ವೇದಾ (ನಂ.೭), ಇಂಡಸ್-೧೬೧	ಬಿಎಚ್-೨೧, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಜಯ್ ಹೋ, ರಸ್ತುಮ್	ನಗ್ನಾ							
ಅವಧಿ	120-130 ದಿನಗಳು	120-130 ದಿನಗಳು	120-130 ದಿನಗಳು	120-130 ದಿನಗಳು	120-130 ದಿನಗಳು							
ಮುಂಗಾರು	ಸೂಕ್ತವಾದ	ಸೂಕ್ತವಾದ	ಸೂಕ್ತವಾದ	ಸೂಕ್ತವಾದ	ಸೂಕ್ತವಾದ							
ಹಿಂಗಾರು	ಸೂಕ್ತವಾದ	ಸೂಕ್ತವಾದ	ಸೂಕ್ತವಾದ	ಸೂಕ್ತವಾದ	ಸೂಕ್ತವಾದ							
ಬೇಸಿಗೆ	ವಸಂತ ಋತುವಿನ ಆರಂಭ	ವಸಂತ ಋತುವಿನ ಆರಂಭ	ವಸಂತ ಋತುವಿನ ಆರಂಭ	ವಸಂತ ಋತುವಿನ ಆರಂಭ	ವಸಂತ ಋತುವಿನ ಆರಂಭ							
ನೀರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ಹಾಯಿಸುವ ನೀರಾವರಿ/ಹನಿ ನೀರಾವರಿ	ಹಾಯಿಸುವ ನೀರಾವರಿ/ಹನಿ ನೀರಾವರಿ	ಹಾಯಿಸುವ ನೀರಾವರಿ/ಹನಿ ನೀರಾವರಿ	ಹಾಯಿಸುವ ನೀರಾವರಿ/ಹನಿ ನೀರಾವರಿ	ಹಾಯಿಸುವ ನೀರಾವರಿ/ಹನಿ ನೀರಾವರಿ							

ದಯವಿಟ್ಟು ಗಮನಿಸಿ: ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ವತೆ ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿರಬಹುದು

ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು /ಪದ್ಧತಿ	ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಹರಿವು
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ/ ಕೃಷಿ-ಹವಾಮಾನ ವಲಯ	ದೀರ್ಘ ಬೆಚ್ಚನೆಯ ಋತುಗಳು ಬೆಂಡೆಕಾಯಿಗೆ ಬಹಳ ಸೂಕ್ತವಾಗಿದೆ. ಬೆಂಡೆಕಾಯಿ ಹಿಮಕ್ಕೆ ಸೂಕ್ಷ್ಮವಾಗಿದೆ ಮತ್ತು ಬೀಜಗಳು 20°C ಗಿಂತ ಕಡಿಮೆ ತಾಪಮಾನದಲ್ಲಿ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವುದಿಲ್ಲ. 25-30°C ನಡುವೆ ಉತ್ತಮ ಬೆಳವಣಿಗೆ
2	ಭೂಮಿ. ಮಣ್ಣು	ದೀರ್ಘ ಬೆಚ್ಚನೆಯ ಋತುಗಳು ಬೆಂಡೆಕಾಯಿಗೆ ಬಹಳ ಸೂಕ್ತವಾಗಿದೆ. ಬೆಂಡೆಕಾಯಿ ಹಿಮಕ್ಕೆ ಸೂಕ್ಷ್ಮವಾಗಿದೆ ಮತ್ತು ಬೀಜಗಳು 20°C ಗಿಂತ ಕಡಿಮೆ ತಾಪಮಾನದಲ್ಲಿ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವುದಿಲ್ಲ. 25-30°C ನಡುವೆ ಉತ್ತಮ ಬೆಳವಣಿಗೆ
3	ಋತು. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮಯ	ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಜೂನ್-ಅಕ್ಟೋಬರ್, ಫೆಬ್ರವರಿ-ಏಪ್ರಿಲ್ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ. ಉತ್ತರ ಮತ್ತು ಪಶ್ಚಿಮ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಜುಲೈ-ಆಗಸ್ಟ್, ಫೆಬ್ರವರಿ-ಮಾರ್ಚ್, ಪೂರ್ವ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಜೂನ್-ಜುಲೈ
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ವಿಧಾನ.	ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಅನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ 2.5-4.0 ಕೆ.ಜಿ. ದಿಬ್ಬಗಳು ಮತ್ತು ಗುಂಡಿಗಳು.
5	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟಿ	10 ಟನ್ ಕೊಟ್ಟಿಗೆ ಗೊಬ್ಬರ ಅನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ ನಂತರ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಬೆರೆಸಲು ಹ್ಯಾರೋಯಿಂಗ್ ಮಾಡಿ. ದಿಬ್ಬಗಳು ಮತ್ತು ಗುಂಡಿಗಳನ್ನು ರೂಪಿಸಬೇಕು ಗುಂಡಿಗಳಲ್ಲಿ ಮೂಲ ಪ್ರಮಾಣದ ಗೊಬ್ಬರಗಳನ್ನು ಹಾಕಿ ಗೊಬ್ಬರವನ್ನು ಮುಚ್ಚಬೇಕು ಬಿತ್ತನೆಯ ಎರಡು ದಿನ ಮೊದಲು ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. ಪ್ರತಿ ಗುಂಡಿಗೆ ಎರಡು ಬೀಜಗಳನ್ನು ಊರಿ, ಶೀಘ್ರ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಗಾಗಿ ತಕ್ಷಣ ಹಗುರವಾಗಿ ನೀರು ಹಾಯಿಸಿ
6	ಅಂತರ	ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ: 60 ಸೆಂ.ಮೀ; ಗಿಡದಿಂದ ಗಿಡಕ್ಕೆ: 30 ಸೆಂ.ಮೀ
7	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ	ಇಮಿಡಾಕ್ಲೋಪ್ರಿಡ್ 2 ಮಿ.ಲೀ/ಕೆ.ಜಿ ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ ಮಾಡಿದ ಬೀಜಗಳು ಆರಂಭಿಕ ಹಂತದಲ್ಲಿರಕ್ಷಣೆ ನೀಡುತ್ತವೆ
8	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಮೂಲ ಪ್ರಮಾಣ: 30:40:40 Kg NPK ಮೊದಲ ಮೇಲ್ಗೊಬ್ಬರ ಬಿತ್ತನೆಯ 20-25 ದಿನಗಳ ನಂತರ: 20 ಕೆ.ಜಿ N ಮೊದಲ ಮೇಲುಗೊಬ್ಬರದ 20−25 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಎರಡನೇ ಮೇಲುಗೊಬ್ಬರ: 20 ಕೆ.ಜಿ. N
9	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ	ಮಣ್ಣಿನ ಪ್ರಕಾರವನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. ಲಘು ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ಗೆ ನೀರಾವರಿ 5-6 ದಿನಗಳ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಒಮ್ಮೆ. ಬೇರಿನ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ, ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಹೂಬಿಡುವ ಮತ್ತು ಕಾಯಿ ಕಟ್ಟುವ ಹಣ್ಣಿನ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಸಾಕಷ್ಟು ತೇವಾಂಶವಿರುವುದನ್ನು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.
10	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು/ ಅಂತರ ಬೇಸಾಯ	ಹೊಲಗಳನ್ನು ಕಳೆ ಮುಕ್ತವಾಗಿಡಲು ಎರಡು ಬಾರಿ ಕೈಯಿಂದ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು ಅಗತ್ಯವಾಗಿದೆ. ಬಿತ್ತನೆಯ 30 ಮತ್ತು 60 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮಣ್ಣು ಹಾಕುವುದು.
11	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು	ಹಣ್ಣು ಕಟ್ಟುವಿಕೆಯನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸಲು ಹೂಬಿಡುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಕ್ಯಾಲ್ಸಿಯಂ ನೈಟ್ರೇಟ್ (1% ದ್ರಾವಣ) ಸಿಂಪಡಿಸಬೇಕು.
12	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ	ಪುಡಿಗೊಬ್ಬರ ರೋಗ: ಟೆಬುಕೊನಜೋಲ್ 50% + ಟ್ರಿಫ್ಲಾಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಅಥವಾ ಕ್ಲೋರೊಥಲೋನಿಲ್ 75% WP 1.0 ಮಿ.ಲೀ/ಲೀಟರ್ ಸರ್ಕೋಸ್ಪೋರಾ ಎಲೆ ಮಚ್ಚೆ: ಕಾರ್ಬೆಂಡಜಿಮ್ (1 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಬಳಸಬೇಕು ಬಿಳಿ ನೊಣಗಳು: ಇಮಿಡಾಕ್ಲೋಪ್ರಿಡ್ 30.5% SC (0.5 ಮಿ.ಲೀ/ಲೀಟರ್) ಹಣ್ಣು ಕೊರೆಯುವ ಹುಳು: ಎಮಮೆಕ್ಟಿನ್ ಬೆಂಜೊಯೇಟ್ 5% SG (0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಗಿಡಹೇನುಗಳು/ಎಲೆ ತಿಗಣೆ: ಫ್ಲೋನಿಕಮಿಡ್ 50% WG (0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಅಥವಾ ಫ್ಲುಬೆಂಡಿಯಮೈಡ್ 8.33% + ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥ್ರಿನ್ 5.56% w/w SC (0.5 ಮಿ.ಲೀ/ಲೀಟರ್) ಫ್ಯೂಸೇರಿಯಂ ಬಾಡುವಿಕೆ: ಕಾರ್ಬೆಂಡಜಿಮ್ (1 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಹಾಕಿ ತೋಯಿಸಬೇಕು YVMV (ನಂಜಾಣು ರೋಗ)ಮತ್ತು ELCV ಯನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು, ಸಹಿಷ್ಣು ತಳಿಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ ಮತ್ತು ಬಿಳಿ ನೊಣಗಳ ಸಂಖ್ಯೆಯನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಬೇಕು. ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣದ ಕುರಿತು ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಗಳನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.
13	ಕೊಯ್ಲು	ಮೊದಲನೆಯ ಕೊಯ್ಲು 45-50 ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡಿದ ನಂತರ ಪ್ರಾರಂಭವಾಗುತ್ತದೆ. ಪರ್ಯಾಯ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಕಾಯಿ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಬೇಕು.
14	ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ	ಸೂಕ್ತ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮವಾಗಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿದ ಬೆಂಡೆಕಾಯಿ 15-20 ಟನ್ ಹಸಿರು ಬಳ್ಳಿಗಳು/ಎಕರೆ ಇಳುವರಿ ನೀಡುತ್ತದೆ.
15	ಶೇಖರಣೆ	ಆದರ್ಶ ಸಂಗ್ರಹಣೆ ತಾಪಮಾನ 7-10°C ಆಗಿದ್ದು 90-95% ಸಾಪೇಕ್ಷ ಆರ್ದ್ರತೆಯೊಂದಿಗೆ
16	ಮಾಡಬೇಡಿ	ಸಾರಜನಕದ ಬಳಕೆಯ ಮೇಲೆ ನಿಯಂತ್ರಣ, ನೆರಳಿನಲ್ಲಿ ನೆಡುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಬೇಕು.
17	ಮಾಡಬೇಕಾದವು	ದಯವಿಟ್ಟು ಕುಂಬಳಕಾಯಿ ಅಥವಾ ಸೊಲೇನೇಸಿಯಸ್ ಬೆಳೆಗಳಂತಹ ಇತರ ಬೆಳೆಗಳೊಂದಿಗೆ ಬೆಳೆ ಸರದಿ ಬದಲಾವಣೆ ಮಾಡಬೇಕು
ಸೂಚನೆ	ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.	
ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು	ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಇಳುವರಿಯು ವಿವಿಧ ಅಂಶಗಳಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರ ಬಳಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬಿಲ್‌ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.	

ఓక్రా/బెండకాయలో పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజి

శుభాకాంక్షలు! క్రిస్టల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన ఓక్రా/బెండకాయ విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన ఓక్రా/బెండకాయ విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిస్టల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిస్టల్ అత్యాధునిక టెక్నాలజీలను పాటిస్తుంది. క్రిస్టల్ ఓక్రా/బెండకాయ విత్తనాలు బయోటిక్ & ఏబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే సామర్థ్యముతో అద్భుతమైన మొలకెత్తే తత్వాలను & మెరుగైన బలమును కలిగివుంటాయి.
అద్భుతమైన దిగుబడి కొరకు దయచేసి ఉత్తమమైన వ్యవసాయ ఆచరణలను పాయించండి. క్రింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్డాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు తీసుకునే ముందు ఈ సూచనలను చదవాలని మేము మిమ్మల్ని అభ్యర్థిస్తున్నాము.

హైబ్రిడ్ ఓక్రా/బెండకాయ	కుబేరా, చెండర్, ఇండస్-101, సుజోయ్, వేదా (నో 7)	ఆదిత్య, గారిమా, ఝులక్, ఇండస్-33	అమోగ్, అనికా, జానకి, ఇండస్-161, వేదా (నో 7)	రూస్తమ్, జైహో	నగ్మా							
కాలము పరిమితి	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS							
ఖరీఫ్	అనుకూలము	అనుకూలము	అనుకూలము	అనుకూలము	అనుకూలము							
రబీ	అనుకూలము	అనుకూలము	అనుకూలము	అనుకూలము	అనుకూలము							
వసంత కాలము	వసంత కాలములో తొందరగా	వసంత కాలములో తొందరగా	వసంత కాలములో తొందరగా	వసంత కాలములో తొందరగా	వసంత కాలములో తొందరగా							
నీటి పారుదల వనరు	ముంచెత్తండి/ డ్రిప్	ముంచెత్తండి/ డ్రిప్	ముంచెత్తండి/ డ్రిప్	ముంచెత్తండి/ డ్రిప్	ముంచెత్తండి/డ్రిప్							

దయచేసి గమనించండి వాతావరణ పరిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్వము కాలము మారవచ్చు

క్ర. సం.	వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు	ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇన్పుట్
1	ప్రాంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ-వాతావరణ జోన్	బెండకాయకి దిర్ఘమైన వెచ్చని సీజన్లు బాగా అనుకూలము. బెండకాయ మంచుకి సున్నితమైనది మరియు విత్తనాలు 20 C కన్నా తక్కువ ఉష్ణోగ్రతలలో మొలకెత్తవు. 25-30 C మధ్య ఉష్ణోగ్రత ఎదుగుదలకి ఉత్తమమైనది
2	భూమి. మట్టి	బాగా నీరు ఇంకే ఇసుక లోమ్స్ మరియు బంక మట్టి లోమ్, pH 6.0-6.8 సరిగ్గా అనుకూలము.
3	కాలము. విత్తే/నాటే సమయము	దక్షిణ భారతదేశములో జూన్-అక్టోబర్, ఫిబ్రవరి-ఏప్రిల్. ఉత్తర మరియు పడమర భారతదేశములో జులై-ఆగస్ట్, ఫిబ్రవరి-మార్చి, తూర్పు భారతదేశములో జూన్-జులై
4	విత్తనము రేట్. విత్తే/నాటే పద్ధతి.	హైబ్రిడ్ మీద ఆధారపడి 2.5-4.0 కిలోలు. గట్లు మరియు చాళ్ళు.
5	ప్రధానమైన పొలమును తయారు చేయడము మరియు నాటడము	డికంపోజ్ చేసిన ఎఫ్వైఎం 10 టన్నులు అప్లై చేయండి తరవాత దుక్కి దున్నడము వలన అది మట్టిలో బాగా కలుస్తుంది. *గట్లు మరియు చాళ్ళు ఏర్పాటు చేయండి *చాళ్ళలో ఫర్టిలైజర్ల బేసల్ డోస్ అప్లై చేయండి మరియు దానిని కవర్ చేయండి *విత్తడానికి రెండు రోజుల ముందు పొలముకి నీటిని పెట్టండి. *గుంటకి రెండు విత్తనాలు పెట్టండి, త్వరగా మరియు మెరుగుగా మొలకెత్తడము కోసం వెంటనే తేలికగా నీటిని పెట్టండి
6	ఖాళీ ఇవ్వడము	రో నుంచి రో: 60 cm; మొక్క నుంచి మొక్క: 30cm
7	విత్తే ముందు విత్తనమును శుద్ధి చేయడము	విత్తనమును ఇమిడాక్లోప్రిడ్ 2 ml/కిలో తో శుద్ధి చేస్తే మందరి రక్షణను ఇస్తుంది
8	ఎరువులు మరియు ఫర్టిలైజర్లు	*విత్తే ముందరి బేసల్ డోస్: 30:40:40 కిలోల NPK *విత్తిన తరవాత 20-25 రోజులకి మొదటి టాప్ డ్రెస్సింగ్: 20 కిలో N *మొదటి టాప్ డ్రెస్సింగ్ తరవాత 20-25 రోజుల తరవాత రెండవ టాప్ డ్రెస్సింగ్: 20 కిలోల N
9	నీటి పారుదల షెడ్యూల్	మట్టి రకమును బట్టి పొలముకి నీటిని పెట్టండి. 5-6 రోజుల వ్యవధిలో తేలికగా మరియు తరచూ నీరు పెట్టండి. పళ్ళు పూలు వేసే దశలో వేళ్ళ జోన్ లో సరిపడిన తేమ వుండేలా ధృవీకరించుకోండి.
10	కలుపు మొక్కలు తీయడము/అంతర్గత కల్టివేషన్	పైట్లను కలుపు మొక్కలు లేకుండా చేయడానికి రెండు చేతులతో కలుపు మొక్కలను తొలగించాలి. విత్తిన 30 మరియు 60 రోజుల తరవాత మొక్కల మొదళ్ళలోని మట్టిని ఎత్తు చేయండి.
11	సూక్ష్మపోషకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ స్ప్రేలు	పూత సమయములో పళ్ళు ఏర్పడడము పెంచడానికి కాల్షియం నైట్రేట్ (1% ద్రావకము) పిచికారి చేయండి.
12	చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్	బూడిద తెగులు: కెబుకునజోల్ 50% + ట్రిఫ్లోక్సిస్ట్రోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 గ్రాములు) లేదా క్లోరోథనిల్ 75% WP లీటరు/1.0 ml సెర్కోస్పొరా ఆకు మచ్చలు: కార్బెన్డాజిమ్ (1 గ్రాము/లీటరు) ఉపయోగించండి తెల్ల దోమ: ఇమిడాక్లోప్రిడ్ 30.5% SC (0.5 ml/లీటరు) పండు తొలుచు పురుగు: ఎమామెక్టిన్ బెన్జోయేట్ 5% SG (0.5 gm/లీటరు) తామర పురుగులు/పేను బంక: ఫ్లోనికామిడ్ 50 % WG (లీటరు/0.5 గ్రాములు) లేదా ఫ్లూబెన్డియామైడ్ 8.33 % + డెల్టామెథ్రిన్ 5.56 % w/w SC (0.5 ml/లీటరు) ఫ్యూజారియమ్ ఎండు తెగులు: కార్బెన్డాజిమ్ (1 గ్రాము/లీటరు) తో డ్రెంచ్ చేయండి YVMV మరియు ELCVని కంట్రోల్ చేయడానికి, తట్టుకునే వంగడాలను ఉపయోగించండి మరియు తెల్ల దోమలను కంట్రోల్ చేయండి. పొలములో తెగుళ్లు & చీడల కంట్రోలు మీద అదనపు సమాచారము కొరకు, దయచేసి మీ స్థానిక వ్యవసాయ ఆఫీసరును సంప్రదించండి.
13	కోత	45-50 డిఏఎస్ (DAS) కి లేత ఆకుపచ్చని కాయలను మొదటిసారి కోస్తారు. రోజు విడిచి రోజు లేత కాయలను కోయండి.
14	ఆశించే దిగుబడి	సరైన పరిస్థితులలో బాగా మేనేజ్ చేసిన బెండకాయ 15-20 టన్నుల ఆకుపచ్చ కాయలను/ఎకరానికి ఇస్తుంది.
15	స్టోర్ చేయడము	7-10 °C ఉష్ణోగ్రత 90-95% రిలేటివ్ తేమతో సరిగ్గా స్టోర్ చేయడానికి అవసరము
16	చేయకూడనివి	నత్రజని అధిక ఉపయోగమును కంట్రోలులో వుంచండి, నీడలో నాటడమును నివారించండి.
17	చేయవలసినవి	దోసకాయ ఇది సొలనేషియస్ ఇలాంటి ఇతర పంటలతో పంట రొటేషన్ దయచేసి చేయండి
గమనిక	పైన చెప్పబడిన సమాచారము సాధారణ సలహాలు మాత్రమే. ప్రత్యేక ప్రాంతాలకి సంబంధించిన ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ రాష్ట్ర స్థానిక వ్యవసాయ శాఖను సంప్రదించండి.	
జాగ్రత్తలు	పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాల వలన ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు సంప్రదించాలని సూచించడము జరిగింది. కేవలము అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనుల కొనుగోలు బిల్లులను మీ వద్ద వుంచుకోండి.	

CRYSTAL Inspiring Growth | I&B Seeds | INDUS SEEDS | Seed & Plant Science

வெண்டை பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்

வாழ்த்துகள்! கிரிஸ்டல் குடும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த வெண்டை விதைகளில் ஒன்றைத் தேர்வு செய்துள்ளீர்கள். கிரிஸ்டல் குடும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த வெண்டை விதைகளில் ஒன்றைத் தேர்வு செய்துள்ளீர்கள். இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகசூல் தரும் கலப்பு பயிர்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவீன தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் ஓக்ரா/பிண்டி விதைகள் உயிரி சார் & உயிரி சாரா சூழல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் & வலிமை கொண்டவை.
மிகச் சிறந்த மகசூலைப் பெற, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.

கலப்பு ஓக்ரா/பிண்டி	Hyb. குபேரா, Hyb. டெண்டர், இந்தஸ்-101, சுஜாய், வேதம் (No.7)	ஆதித்யா, கரிமா , Hyb. ஜலக், இந்தஸ்-33	அமோக், அனிகா, BH-106, Hyb. ஜான்கி, Hyb. வேதம் (No.7), இந்தஸ்-161	BH-21, Hyb. ஜெய் ஹோ, ருஸ்டம்	நக்மா
காலம்	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS
காரீப்	பொருந்துகிறது	பொருந்துகிறது	பொருந்துகிறது	பொருந்துகிறது	பொருந்துகிறது
ராபி	பொருந்துகிறது	பொருந்துகிறது	பொருந்துகிறது	பொருந்துகிறது	பொருந்துகிறது
வசந்த காலம்	முன்கூட்டிய வசந்த காலம்	முன்கூட்டிய வசந்த காலம்	முன்கூட்டிய வசந்த காலம்	முன்கூட்டிய வசந்த காலம்	முன்கூட்டிய வசந்த காலம்
பாசன ஆதாரம்	வெள்ளம்/சொட்டு	வெள்ளம்/சொட்டு	வெள்ளம்/சொட்டு	வெள்ளம்/சொட்டு	வெள்ளம்/சொட்டு

வானிலை சூழல்களைப் பொறுத்து பயிர் வளர்ச்சி & முதிர்ச்சி மாறுபடலாம் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ளுங்கள்

வ.எண்.	விவரங்கள் / செயல்பாடுகள் / செய்முறை	செயல்முறைக்கான விவரங்கள். ஒரு ஏக்கருக்கான உர உள்ளீடு
1	பொருந்துகின்ற பரப்பளவு/விவசாய-காலநிலை மண்டலம்	நீண்ட வெப்பமான பருவங்கள் ஓக்ராவிற்கு மிகவும் ஏற்றது. உறைபனி ஓக்ராவிற்கு ஆகாது மற்றும் 20 C கீழ் விதைகள் முளைக்காது. சிறப்பான வளர்ச்சி 25-30 C
2	நிலம். மண்	நீர் தேங்காத மணல் போன்ற பசளை மண் மற்றும் பசளை போன்ற களிமண், pH 6.0-6.8 மிகவும் ஏற்றது.
3	பருவம். விதைத்தல்/நாற்று நடுவதற்கான நேரம்	தென் இந்தியாவில் ஜூன்-அக்டோபர், பிப்ரவரி-ஏப்ரல். வட மற்றும் மேற்கு இந்தியாவில், ஜூலை-ஆகஸ்ட், பிப்ரவரி-மார்ச். கிழக்கு இந்தியாவில் ஜூன்-ஜூலை
4	விதை விகிதம். விதைத்தல்/நாற்று நடும் முறை.	கலப்பை பொறுத்து 2.5-4.0 கிலோ. மணல் மேடுகள் மற்றும் பள்ளங்கள்.
5	பிரதான நிலம் மற்றும் நாற்று நடுவதற்கான தயாரிப்பு	10 டன்கள் சிதைந்த தொழு உரம் (FYM) உரத்தை போட்டு அவை மண்ணில் கலக்க நிலத்தை நன்றாக பண்படுத்துங்கள். * மணல் மேடுகள் மற்றும் பள்ளங்களை உருவாக்குங்கள் * பள்ளங்களில் உரங்களின் அடி அளவைப் போட்டு உரத்தை மூடி விடுங்கள் * விதைப்பிற்கு இரண்டு நாட்கள் முன் நிலத்தில் நீர் பாய்ச்சுங்கள். * ஒரு மேட்டுக்கு இரண்டு விதையை ஊன்ற வேண்டும், விரைவான மற்றும் சிறந்த முளைத்தலுக்கு உடனடியாக லேசாக நீர் பாய்ச்ச வேண்டும்.
6	இடைவெளி	வரிசை முதல் வரிசை: 60 செமீ; தாவரம் முதல் தாவரம்: 30 செமீ
7	விதைப்பதற்கு முன்பான விதை தயாரிப்பு	முன்கூட்டிய பாதுகாப்பிற்கு விதையை கிலோவிற்கு 2 மிலி இமிடாக்ளோப்ரிட் கலந்திடுங்கள்.
8	எருக்கள் மற்றும் உரங்கள்	* விதைப்பதற்கு முந்தைய அடி உர அளவு : 30:40:40 கிலோ என்பிகே (NPK) * முதல் உரமிடல் விதைத்த 20-25 நாட்களில் செய்யப்பட வேண்டும்: 20 கிலோ N * இரண்டாவது மேல் உரமிடுதல் முதல் உரமிட்ட பின் 20-25 நாட்கள் கழித்து : 20 கிலோ N
9	பாசன அட்டவணை	மண் வகையைப் பொறுத்து நிலத்தில் நீர் பாய்ச்சுங்கள். 5-6 நாட்களுக்கு ஒருமுறை லேசான மற்றும் அடிக்கடி பாசனம் செய்ய வேண்டும். பூ, பழம் வைக்கும் நிலையில், வேர் பகுதியில் போதுமான ஈரப்பதம் இருப்பதை உறுதி செய்யுங்கள்.
10	களை அகற்றுதல்/ ஊடு பயிரிடுதல்	நிலங்களைக் களைகள் அற்றதாக மாற்ற இரண்டு கைகளால் களைகள் நீக்கப்பட வேண்டும். விதைத்த 30 மற்றும் 60 நாட்களுக்குப் பிறகு மண்ணைக் குவித்திடுங்கள்.
11	நுண் ஊட்டச்சத்து/வளர்ச்சியை ஒழுங்குபடுத்தும் தெளிப்புகள்	பூக்கும் நேரத்தில் பழம் வைப்பதை அதிகரிக்க கால்சியம் நைட்ரேட் (1% கரைசல்) தெளியுங்கள்.
12	பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாடு	சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) அல்லது குளோரோதலோனில் 75% டபிள்யுபி (WP) லிட்டருக்கு 1.0 மிலி செர்கோஸ்போரா இலைப்புள்ளி: கார்பன்டாசிம் (லிட்டருக்கு 1 கிராம்) பயன்படுத்துங்கள் வெள்ளை ஈக்கள்: இமிடாக்ளோப்ரிட் 30.5% எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) பழ துளைப்பான்: எமாமெக்டின் பென்சோயேட் 5% எஸ்ஜி (SG) (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்) இலைப்பேன்கள் / செடிப்பேன்கள் : ஃப்ளோனிகாமிட் 50% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்) அல்லது ஃப்ளூபென்டியாமைடு 8.33 % + டெல்டாமெத்ரின் 5.56 % w/w எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) பியூசேரியம் வாடல் நோய்: கார்பன்டாசிம்-இல் முக்கி எடுங்கள் (லிட்டருக்கு 1 கிராம்) YVMV மற்றும் ELCV யை-கட்டுப்படுத்த, தாங்கும் வகைகளைப் பயன்படுத்துங்கள் மற்றும் வெள்ளை ஈக்களின் எண்ணிக்கையைக் கட்டுப்படுத்துங்கள். நிலத்தில் பூச்சிகள் & நோய் தடுப்பு பற்றி மேலும் அறிய, உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலர்களுடன் ஆலோசியுங்கள்.
13	அறுவடை	மென்மையான பச்சை காய்களின் முதல் பறித்தல் 45-50 DAS தொடங்குகிறது. ஒரு நாள் விட்டு ஒரு நாள் மென்மையான காய்களை அறுவடை செய்யுங்கள்
14	எதிர்பார்க்கப்படும் மகசூல்	சாதகமான நிலைகளில், நன்கு பராமரிக்கப்பட்ட வெண்டை ஏக்கருக்கு 15-20 டன் பச்சை காய்கள் மகசூலை அளிக்கிறது.
15	சேமிப்பகம்	90-95% ஒப்பீட்டு ஈரப்பதத்துடன் சாதகமான சேமிப்பு வெப்பநிலை என்பது 7-10 °C ஆகும்.
16	செய்யக்கூடாதவை	நைட்ரஜனை அதிகப்படியாக பயன்படுத்துவதைக் கட்டுப்படுத்த வேண்டும், நிழலில் நாற்று நடுவதைத் தவிருங்கள்.
17	செய்ய வேண்டியவை	பிற பயிர்களான சோலனேசியஸ் எனப்படும் பூசணி வகைகளுடன் பயிர் சுழற்சியை மேற்கொள்ளுங்கள்.

குறிப்பு	மேற்கண்ட தகவல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல். குறிப்பிட்ட பகுதிக்கான தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு, உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளூர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்.
முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகள்	பல்வேறு காரணிகளால், பயிர் வளர்ச்சி மற்றும் மகசூல் பாதிக்கப்படலாம். எனவே, ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் மட்டுமே பயன்படுத்தப்படுகிறது என்பதை உறுதி செய்யுங்கள். விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரசீதுகளைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS

ਓਕ੍ਰਾ/ਭਿੰਡੀ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦੇ ਤਰੀਕੇ

ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਓਕ੍ਰਾ/ਭਿੰਡੀ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਦੀਆਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਕਿਸਮਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਕਿਸਮ ਚੁਣੀ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੰਪਨੀ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਓਕ੍ਰਾ/ਭਿੰਡੀ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਦੇ ਓਕ੍ਰਾ/ਭਿੰਡੀ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚ ਉਗਣ ਦੀ ਉੱਚ ਸਮਰੱਥਾ, ਬੂਟਿਆਂ ਦਾ ਮਜ਼ਬੂਤ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਰੋਗ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਚੰਗੀ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਓਕ੍ਰਾ/ਭਿੰਡੀ	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਕੁਬੇਰ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਟੋਡਰ' ਇੰਡਸ-੧੦੧' ਸੁਜਾਯ' ਵੈਦਾ (ਨੰ.੭)	ਆਦਿਰਤ' ਗਰਿਮਾ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਬਲਕ' ਇੰਡਸ-੩੩	ਅਮੋਘ' ਅਨਿਕਾ' ਬੀਏਚ-੧੦੬' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਜਾਨਕੀ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਵੈਦਾ (ਨੰ.੭)' ਇੰਡਸ-੧੬੧	ਬੀਏਚ-੨੧' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਜਯ ਹੋ' ਰਸ੍ਰਮ	ਨਗਮਾ							
ਮਿਆਦ	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS								
ਖ਼ਰੀਫ਼	ਵਾਜਬ	ਵਾਜਬ	ਵਾਜਬ	ਵਾਜਬ	ਵਾਜਬ								
ਰਬੀ	ਵਾਜਬ	ਵਾਜਬ	ਵਾਜਬ	ਵਾਜਬ	ਵਾਜਬ								
ਸਪ੍ਰਿੰਗ	ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਬਸੰਤ	ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਬਸੰਤ	ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਬਸੰਤ	ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਬਸੰਤ	ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਬਸੰਤ								
ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਭਰਪੂਰ/ਡ੍ਰਿੱਪ	ਭਰਪੂਰ/ਡ੍ਰਿੱਪ	ਭਰਪੂਰ/ਡ੍ਰਿੱਪ	ਭਰਪੂਰ/ਡ੍ਰਿੱਪ	ਭਰਪੂਰ/ਡ੍ਰਿੱਪ								

ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪੱਕਤਾ ਮੌਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ	ਕੰਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਇਨਪੁਟ
1	ਖੇਤੀਬਾੜੀ-ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਅਤੇ ਸਥਾਨ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ	ਲੰਬੇ ਗਰਮ ਮੌਸਮ ਓਕ੍ਰਾ ਲਈ ਬਹੁਤ ਵਾਜਬ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਓਕ੍ਰਾ ਠੰਡੇ ਮੌਸਮ ਨੂੰ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੀ ਅਤੇ ਇਸਦੇ ਬੀਜ 20 C ਤੋਂ ਘੱਟ ਤਾਪਮਾਨ 'ਤੇ ਨਹੀਂ ਉੱਗਦੇ। 25-30 C ਦੇ ਵਿਚਕਾਰ ਸਭ ਤੋਂ ਬਿਹਤਰ ਵਿਕਾਸ
2	ਜ਼ਮੀਨ। ਮਿੱਟੀ	6.0-6.8 pH ਵਾਲੀ ਚੰਗੀ ਨਿਕਾਸ ਵਾਲੀ ਰੇਤਲੀ ਦੋਮਟ ਅਤੇ ਚੀਕਣੀ ਦੋਮਟ ਮਿੱਟੀ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਮੰਨੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।
3	ਮੌਸਮ। ਬਿਜਾਈ/ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਦੱਖਣੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਜੂਨ-ਅਕਤੂਬਰ, ਫਰਵਰੀ-ਅਪ੍ਰੈਲ। ਜੁਲਾਈ-ਅਗਸਤ, ਉੱਤਰੀ ਅਤੇ ਪੱਛਮੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਫਰਵਰੀ-ਮਾਰਚ, ਪੂਰਬੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਜੂਨ-ਜੁਲਾਈ
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ। ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ।	ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ 'ਤੇ ਨਿਰਭਰ ਕਰਦੇ ਹੋਏ 2.5-4.0 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ। ਬੰਨ੍ਹ ਅਤੇ ਨਾਲੀਆਂ।
5	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ	10 ਟਨ ਸੜੀ ਹੋਈ ਰੂੜੀ ਪਾਓ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਹਲ ਵਾਹੋ ਤਾਂ ਜੋ ਇਹ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਰਲ ਜਾਵੇ। ਬੰਨ੍ਹ ਅਤੇ ਨਾਲੀਆਂ ਬਣਾਓ * ਖਾਦ ਦੀ ਮੁੱਢਲੀ ਮਾਤਰਾ ਵੱਟਾਂ 'ਤੇ ਪਾਓ ਅਤੇ ਇਸਨੂੰ ਢੱਕ ਦਿਓ। * ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਦੇ ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। * ਪ੍ਰਤੀ ਟਿੱਲਾ ਦੋ ਬੀਜ ਬੀਜੋ, ਜਲਦੀ ਅਤੇ ਬਿਹਤਰ ਪੁੰਗਰਣ ਲਈ ਤੁਰੰਤ ਹਲਕੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ।
6	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ	ਕਤਾਰ ਤੋਂ ਕਤਾਰ: 60 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ; ਬੂਟੇ ਤੋਂ ਬੂਟੇ ਤੱਕ: 30 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ
7	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ	ਇਮੀਡਾਕਲੋਪ੍ਰਿਡ 2 ਮਿ.ਲੀ./ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਨਾਲ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ ਕਰਨ ਨਾਲ ਫਸਲ ਨੂੰ ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਮਿਲਦੀ ਹੈ
8	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ	* ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੂਲ ਖੁਰਾਕ: 30:40:40 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ NPK * ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 20-25 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਪਹਿਲੀ ਟਾਪ ਡਰੈਸਿੰਗ: 20 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ N * ਪਹਿਲੀ ਚੋਟੀ ਤੋਂ 20-25 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਦੂਜੀ ਚੋਟੀ ਦੀ ਡਰੈਸਿੰਗ: 20 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ N
9	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣੀ	ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਕਿਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। 5-6 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਇੱਕ ਵਾਰ ਹਲਕੀ ਅਤੇ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਫੁੱਲਾਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ, ਜੜ੍ਹ ਵਾਲੇ ਖੇਤਰ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਕਾਫ਼ੀ ਨਮੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖੋ।
10	ਖੇਤ ਦੀ ਨਦੀਨ-ਨਾਸ਼ਕੀ/ ਰੁਕ-ਰੁਕ ਕੇ ਵਾਹੀ	ਪਲਾਟ ਵਿੱਚ ਨਦੀਨ ਨਾ ਬਣਨ ਤੋਂ ਰੋਕਣ ਲਈ ਦੋ ਵਾਰ ਹੱਥਾਂ ਨਾਲ ਵਾਹੋ। 30 ਅਤੇ 60 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ, ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਮਿੱਟੀ ਭਰ ਦਿਓ।
11	ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ	ਫਲ ਲਗਾਉਣ ਦੇ ਸਮੇਂ ਫੁੱਲ ਆਉਣ 'ਤੇ ਕੈਲਸ਼ੀਅਮ ਨਾਈਟ੍ਰੇਟ (1% ਘੋਲ) ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ।
12	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਨਿਯੰਤਰਣ	ਪਾਊਡਰੀ ਫ਼ਫ਼ੂੰਦੀ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜ਼ੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਸਟ੍ਰੋਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਜਾਂ ਕਲੋਰੋਥੈਲੋਨਿਲ 75% WP 1.0 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਸਰਕੋਸਪੋਰਾ ਲੀਫ ਸਪਾਟ: ਕਾਰਬੈਂਡਾਜ਼ਿਮ (1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ ਚਿੱਟੀਆਂ ਮੱਖੀਆਂ: ਇਮੀਡਾਕਲੋਪ੍ਰਿਡ 30.5% SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਫਰੂਟ ਬੋਰਰ: ਐਮਾਮੇਕਟਿਨ ਬੈਂਜੋਏਟ 5% SG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਐਫੀਡ/ਥ੍ਰਿਪਸ: ਫਲੋਨੀਕਾਮਿਡ 50% WG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਜਾਂ ਫਲੂਬੇਂਡੀਅਮਾਈਡ 8.33% + ਡੈਲਟਾਮੇਥਰਿਨ 5.56% % w/w SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਫਿਊਜ਼ੇਰੀਅਮ ਵਿਲਟ: ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਕਾਰਬੈਂਡਾਜ਼ਿਮ (1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਪਾਓ YVMV ਅਤੇ ELCV ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਲਈ ਅਤੇ ਚਿੱਟੀ ਮੱਖੀ ਦੀ ਆਬਾਦੀ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ ਰੋਧਕ ਕਿਸਮਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ। ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਬਿਮਾਰੀ ਅਤੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।
13	ਵਾਢੀ	ਨਰਮ ਹਰੀਆਂ ਫਲੀਆਂ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 45-50 DAS ਬਾਅਦ ਕੱਟੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਬਦਲਵੇਂ ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ ਨਰਮ ਫਲੀਆਂ ਦੀ ਕਟਾਈ ਕਰੋ।
14	ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ	ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਬੰਧਿਤ ਓਕ੍ਰਾ ਆਦਰਸ਼ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ 15-20 ਟਨ ਹਰੀਆਂ ਫਲੀਆਂ/ਏਕੜ ਪੈਦਾ ਕਰਦੀ ਹੈ।
15	ਸਟੋਰੇਜ	ਆਦਰਸ਼ ਸਟੋਰੇਜ ਤਾਪਮਾਨ 7-10°C ਅਤੇ 90-95% ਸਾਪੇਖਿਕ ਨਮੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ
16	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ	ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਸੰਤੁਲਿਤ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕਰੋ ਅਤੇ ਲਾਉਣ ਲਈ ਧੁੰਪ ਵਾਲੀ ਜਗ੍ਹਾ ਚੁਣੋ।
17	ਕੀ ਕਰੋ	ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਕਯੂਕਰਬਿਟ, ਸੋਲਾਨੇਸੀਅਸ ਵਰਗੀਆਂ ਹੋਰ ਫਸਲਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਫਸਲੀ ਚੱਕਰ ਅਪਣਾਓ।
ਨੋਟ	ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।	
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ	ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੋ।	

ঢেঁড়স/ভিন্ডি চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উৎকৃষ্ট ঢেঁড়স/ভিন্ডির বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের ঢেঁড়স/ভিন্ডি বীজগুলি উৎপাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উৎপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের ঢেঁড়স/ভিন্ডি বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অঙ্কুরোদগম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে।
অনুগ্রহ করে চমৎকার ফলন পেতে সর্বোত্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

হাইব্রিড ঢেঁড়স/ভিন্ডি	**হাইব্রিড. কুবের, হাইব্রিড. টেংডর, ইংডস-৯০৯, সুজায, ভেদা (নং.৭)**	**আদিত্য, গরিমা, হাইব্রিড. ঝলক, ইংডস-৩৩**	**অমোঘ, অনিকা, বীএচ-১০৩, হাইব্রিড. জানকী, হাইব্রিড. ভেদা (নং.৭), ইংডস-১৬১**	**বীএচ-২৯, হাইব্রিড. জয হো, রত্তম**	**নগমা**							
সময়সীমা	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS							
খরিফ	উপযুক্ত	উপযুক্ত	উপযুক্ত	উপযুক্ত	উপযুক্ত							
রবি	উপযুক্ত	উপযুক্ত	উপযুক্ত	উপযুক্ত	উপযুক্ত							
বসন্ত	শুরুর বসন্ত	শুরুর বসন্ত	শুরুর বসন্ত	শুরুর বসন্ত	শুরুর বসন্ত							
সেচের উ	বন্যা/ড্রিপ	বন্যা/ড্রিপ	বন্যা/ড্রিপ	বন্যা/ড্রিপ	বন্যা/ড্রিপ							

অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে

ক্রমিক নম্বর	বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি	প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ
1	এলাকার উপযোগিতা/কৃষি-জলবায়ু জোন	দীর্ঘ উষ্ণ ঋতু ঢেঁড়সের জন্য খুবই উপযোগী। ঢেঁড়স শীতের তুষারপাতের প্রতি সংবেদনশীল এবং 20 C এর নিচে বীজ অঙ্কুরিত হয় না। 25-30 C তাপমাত্রায় সর্বোত্তম বিকাশ
2	জমি। মাটি	ভালোভাবে নিষ্কাশিত বালুমিশ্রিত দোআঁশ এবং কাঁদামিশ্রিত দোআঁশ মাটি, যার 6.0-6.8 pH আদর্শভাবে উপযুক্ত।
3	ঋতু। বপন/রোপণের সময়	দক্ষিণ ভারতে জুন-অক্টোবর, ফেব্রুয়ারি-এপ্রিল। উত্তর এবং পশ্চিম ভারতে জুলাই-আগষ্ট, ফেব্রুয়ারি-মার্চ, পূর্ব ভারতে জুন-জুলাই
4	বীজের হার। বপন/রোপণের পদ্ধতি।	হাইব্রিডের উপর নির্ভর করে 2.5-4.0 কেজি। রিজ এবং ফারো।
5	মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ	মাটিতে মেশানোর জন্য 10 টন পচা FYM প্রয়োগের পর হ্যারোয়িং করুন। * রিজ এবং ফারো ফর্ম * ফারোতে সারের বেসাল ডোজ প্রয়োগ করুন এবং সারটি ঢেকে দিন * বীজ বপনের দুই দিন আগে মাঠে জল দিন। * প্রতি গর্তে দুইটি বীজ লাগান, তৎক্ষণাৎ দ্রুত এবং ভালো অঙ্কুরোদগমের জন্য হালকা সেচ করুন
6	ফাঁক	সারি থেকে সারি: 60 সেন্টিমিটার; উদ্ভিদ থেকে উদ্ভিদ: 30সেন্টিমিটার
7	বপনের আগে বীজের পরিচর্যা	ইমিডাক্লোপ্রিড 2 মিলিলিটার/কেজি হারে বীজ শোধন করলে প্রাথমিক পর্যায়ে গাছের সুরক্ষা পাওয়া যায়
8	জৈব এবং রাসায়নিক সার	* বপনের আগে বেসাল ডোজ: 30:40:40 কেজি NPK * বপনের 20-25 দিন পর প্রথম শীর্ষ ড্রেসিং: 20কেজি N * প্রথম শীর্ষের 20-25 দিন পর দ্বিতীয় শীর্ষ ড্রেসিং: 20 কেজি N
9	সেচের সময়সূচী	মাটির ধরন অনুযায়ী ক্ষেতে সেচ করুন। প্রতি 5-6 দিনের ব্যবধানে হালকা এবং ঘন ঘন সেচ করুন। ফুল ফোটার এবং ফল ধরার সময় বিশেষভাবে মূল এলাকায় পর্যাপ্ত আর্দ্রতা নিশ্চিত করুন।
10	আগাছা নিবারণ/ মধ্যশস্য পরিচর্যা	আগাছামুক্ত রাখতে জমিতে দুইবার হাত দিয়ে আগাছা পরিষ্কার করা প্রয়োজন। বপনের 30 এবং 60 দিন পর মাটি তুলুন।
11	ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান	ফুল আসার সময় ফল ধরার জন্য ক্যালসিয়াম নাইট্রেট (1% সলিউশন) ছিটান।
12	কীট এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ	পাডডার মিলাডউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লক্সিস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) অথবা ক্লোরোথালোনিল 75% WP 1.0 মিলিলিটার/লিটার সেরকোসপোরা লিফ স্পট: কার্বেনডাজিম (1গ্রাম/লিটার) ব্যবহার করুন সাদা মাছি: ইমিডাক্লোপ্রিড 30.5% SC (0.5 মিলিলিটার/লিটার) ফল বোরর: ইমামেকটিন বেনজোয়েট 5% SG (0.5 গ্রাম/লিটার) এফিডস/থ্রিপস: ফ্লোনিকামিড 50 % WG (0.5 গ্রাম/লিটার) অথবা ফ্লুবেনডিয়ামাইড 8.33 % + ডেল্টামেথ্রিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলিলিটার/লিটার) ফুসারিয়াম উইল্ট: কার্বেনডাজিম দিয়ে ড্রেঞ্চ করুন (1গ্রাম/লিটার) YVMV এবং ELCV নিয়ন্ত্রণের জন্য, সহনশীল জাত ব্যবহার করুন এবং সাদা মাছির সংখ্যা নিয়ন্ত্রণ করুন। ক্ষেতের রোগ এবং কীট নিয়ন্ত্রণ সম্পর্কে আরও তথ্যের জন্য, অনুগ্রহ করে আপনার
13	ফসল কাটা	নরম সবুজ ফলের প্রথম তোলা 45-50 DAS থেকে শুরু হয়। নরম ফলগুলো একদিন পরপর তুলুন।
14	প্রত্যাশিত ফলন	ভালভাবে পরিচালিত ঢেঁড়স আদর্শ অবস্থায় 15-20 টন সবুজ ফল দেয়।
15	সংরক্ষণ	আদর্শ সংরক্ষণ তাপমাত্রা 90-95% আপেক্ষিক আর্দ্রতা সহ 7-10 °C
16	করবেন না	নাইট্রোজেন ব্যবহারে নিয়ন্ত্রণ রাখুন, ছায়াযুক্ত স্থানে রোপণ এড়িয়ে চলুন।
17	করবেন	অনুগ্রহ করে অন্যান্য ফসল যেমন কুমড়া এবং সোলানাসিয়াসের সাথে ফসল পরিবর্তন করুন
দ্রষ্টব্য	উপরের তথ্যটি একটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে যোগাযোগ করুন।	
সতর্কতা	ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে যোগাযোগ করা সুপারিশ করা হচ্ছে। নিশ্চিত করুন যে শুধুমাত্র উচ্চমানের সার এবং কীটনাশক ব্যবহার করা হচ্ছে। বীজ, সার এবং কোটনাশক ক্রয় করার রশিদ রাখুন।	

ଭେଣ୍ଡି ଉନ୍ନତ କୃଷି ପ୍ରଣାଳୀ

ଅଭିନନ୍ଦନ! ଆପଣ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ ପରିବାରରୁ ସର୍ବୋତ୍ତମ ଓକ୍ରା/ଭିଣ୍ଡି ମଞ୍ଜି ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିଏ ବାଛିଛନ୍ତି। ଉଚ୍ଚମାନର ଭେଣ୍ଡି ମଞ୍ଜି ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ଦୃଢ଼ ଅଭିଜ୍ଞତା ରହିଛି। ଏହି ବିହନଗୁଡ଼ିକ ବ୍ୟାପକ ଗବେଷଣାର ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଜଳବାୟୁ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଉଚ୍ଚ-ଅମଳକ୍ଷମ ହାଇବ୍ରିଡ୍ ଫସଲ ବିକଶିତ କରିବା ଅଟେ। ଚାଷୀମାନେ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ଗୁଣବତ୍ତାର ବିହନ ପାଇବା ନିଶ୍ଚିତ କରିବା ପାଇଁ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ୍ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ ନୂତନତମ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଗ୍ରହଣ କରେ। କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ଭେଣ୍ଡି ମଞ୍ଜି ଜୈବ ଏବଂ ଅଜୈବିକ ଚାପ ପ୍ରତି ସହନଶୀଳତା ସହିତ ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅଙ୍କୁରୋଦଗମ ଏବଂ ଉନ୍ନତ ଶକ୍ତି ପ୍ରଦାନ କରିଥାଏ।
ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅମଳ ପାଇବା ପାଇଁ ଦୟାକରି ସର୍ବୋତ୍ତମ କୃଷି ପଦ୍ଧତି ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ। ନିମ୍ନଲିଖିତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି, ତେଣୁ କୌଣସି ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକୁ ପଢ଼ି ନେବାକୁ ଆମେ ଆପଣଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।

ଭେଣ୍ଡି ହାଇବ୍ରିଡ	Hyb. କୁବେର, Hyb. ଟେଣ୍ଡର, ଇଣ୍ଡସ୍_101, ସୁଜୋୟ, ବେଦ (No.7)	ଆଦିତ୍ୟ, ଗରିମା , Hyb. ଝଲକ, ଇଣ୍ଡସ୍-33	ଅମୋଘ, ଅନିକା, BH-106, Hyb. ଜାନକୀ, Hyb. ବେଦ (No.7), ଇଣ୍ଡସ୍-161	BH-21, Hyb. ଜୟ ହୋ, ରୁସ୍ତମ	ନସ୍ମା									
ଅବଧି	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS									
ଖରିଫ	ଉପଯୁକ୍ତ	ଉପଯୁକ୍ତ	ଉପଯୁକ୍ତ	ଉପଯୁକ୍ତ	ଉପଯୁକ୍ତ									
ରବି	ଉପଯୁକ୍ତ	ଉପଯୁକ୍ତ	ଉପଯୁକ୍ତ	ଉପଯୁକ୍ତ	ଉପଯୁକ୍ତ									
ବସନ୍ତ	ପ୍ରାରମ୍ଭିକ ବସନ୍ତ ଋତୁ	ପ୍ରାରମ୍ଭିକ ବସନ୍ତ ଋତୁ	ପ୍ରାରମ୍ଭିକ ବସନ୍ତ ଋତୁ	ପ୍ରାରମ୍ଭିକ ବସନ୍ତ ଋତୁ	ପ୍ରାରମ୍ଭିକ ବସନ୍ତ ଋତୁ									
ଜଳସେଚନର ଉତ୍ସ	ବନ୍ୟା/ବୁନ୍ଦା	ବନ୍ୟା/ବୁନ୍ଦା	ବନ୍ୟା/ବୁନ୍ଦା	ବନ୍ୟା/ବୁନ୍ଦା	ବନ୍ୟା/ବୁନ୍ଦା									

ଦୟାକରି ଧ୍ୟାନ ଦିଅନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଗ ପରିସ୍ଥିତି ଅନୁସାରେ ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ପରିପକ୍ୱତା ଭିନ୍ନ ହୋଇପାରେ।

କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା	ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ	କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଇନପୁଟ୍
1	କ୍ଷେତ୍ର/କୃଷି-ଜଳବାୟୁ କ୍ଷେତ୍ରର ଉପଯୁକ୍ତତା	ଦୀର୍ଘ ଉଷ୍ମ ଋତୁ ଭେଣ୍ଡି ପାଇଁ ଅତ୍ୟନ୍ତ ଉପଯୁକ୍ତ। ଭେଣ୍ଡି ତୁଷାର ପ୍ରତି ସମ୍ବେଦନଶୀଳ ଏବଂ ମଞ୍ଜି 20 ଡିଗ୍ରୀ ସେଲସିୟସରୁ କମ୍ ଅଙ୍କୁରିତ ହୁଏ ନାହିଁ। 25-30 °C ମଧ୍ୟରେ ସର୍ବୋତ୍ତମ ବୃଦ୍ଧି
2	ଭୂମି। ମାଟି	ଭଲ ଭାବେ ଜଳ ନିଷ୍କାସନ ହେଉଥିବା ବାଲୁକାମୟ ଦୋଆଁଶ ଏବଂ ମୃତ୍ତିକା ଦୋଆଁଶ, pH 6.0-6.8 ଆଦର୍ଶ ଭାବେ ଉପଯୁକ୍ତ।
3	ଋତୁ ବୁଣିବା/ରୋପଣ ସମୟ	ଦକ୍ଷିଣ ଭାରତରେ ଜୁନ୍-ଅକ୍ଟୋବର, ଫେବୃଆରୀ-ଏପ୍ରିଲ। ଉତ୍ତର ଏବଂ ପଶ୍ଚିମ ଭାରତରେ ଜୁଲାଇ-ଅଗଷ୍ଟ, ଫେବୃଆରୀ-ମାର୍ଚ୍ଚ; ପୂର୍ବ ଭାରତରେ ଜୁନ-ଜୁଲାଇ
4	ବିହନ ହାର ବୁଣିବା/ରୋପଣ ପଦ୍ଧତି	ହାଇବ୍ରିଡ୍ ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି 2.5-4.0 କି.ଗ୍ରା., ପଇ ଓ ନାଳି
5	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଏବଂ ରୋପଣ	10 ଟନ୍ ପଚିଯାଇଥିବା ଏଫ.ୱାଇ.ଏମ୍. ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ତା'ପରେ ମାଟିରେ ମିଶ୍ରଣ ପାଇଁ ହଳ କରନ୍ତୁ। * ପଇ ଓ ନାଳି ତିଆରି କରନ୍ତୁ * ଗର୍ତ୍ତରେ ସାରର ମୂଳ ମାତ୍ରା ପ୍ରୋୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ସାରକୁ ଢାଙ୍କି ଦିଅନ୍ତୁ * ବୁଣିବାର ଦୁଇ ଦିନ ପୂର୍ବରୁ କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ। * ପ୍ରତି ପାହାଡ଼ରେ ଦୁଇଟି ବିହନ ବୁଣାନ୍ତୁ, ଶୀଘ୍ର ଏବଂ ଭଲ ଅଙ୍କୁର ପାଇଁ ତୁରନ୍ତ ହାଲୁକା ଜଳସେଚନ ଦିଅନ୍ତୁ।
6	ବ୍ୟବଧାନ	ଧାଡ଼ି ରୁ ଧାଡ଼ି: 60 ସେ. ମି.; ଗଛ ରୁ ଗଛ8 30 ସେ. ମି.
7	ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନ ଉପଚାର	ଇମିଡାକ୍ଲୋପ୍ରିଡ୍ 2 ମିଲି/କେଜି ସହିତ ଚିକିତ୍ସା କରାଯାଇଥିବା ବୀଜ ଶୀଘ୍ର ସୁରକ୍ଷା ପ୍ରଦାନ କରେ।
8	ଖତ ଏବଂ ସାର	* ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ମୂଳ ମାତ୍ରା : 30:40:40 କିଲୋଗ୍ରାମ ଏନ.ପି.କେ (NPK) * ବୁଣିବା ପରେ 20-25 ଦିନ ପରେ ପ୍ରଥମ ଟପ୍ ଡ୍ରେସିଂ: 20 କେଜି ନାଇଟ୍ରୋଜେନ (N) * ପ୍ରଥମ ଟପ୍ ପରେ 20-25 ଦିନ ପରେ ଦ୍ୱିତୀୟ ଟପ୍ ଡ୍ରେସିଂ: 20 କିଲୋଗ୍ରାମ ନାଇଟ୍ରୋଜେନ (N)
9	ଜଳସେଚନ ସମୟସୂଚୀ	ମାଟିର ପ୍ରକାର ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ। ହାଲୁକା ଏବଂ ବାରମ୍ବାର ଜଳସେଚନ 5-6 ଦିନ ବ୍ୟବଧାନରେ ଥରେ କରାଯାଏ। ବିଶେଷକରି ଫୁଲ ଫୁଟିବା ସମୟରେ, ମୂଳ ଅଞ୍ଚଳରେ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ଆର୍ଦ୍ରତା ବଜାୟ ରଖିବା ନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ।
10	ଘାସ ବାଛିବା/ଅନ୍ତଃଚାଷ	ଜମି ଗୁଡ଼ିକୁ ଅନାବନା ଗଛରୁ ମୁକ୍ତ ରଖିବା ପାଇଁ ଦୁଇ ଥର ହାତରେ ଅନାବନା ଗଛ ସଫା କରିବା ଆବଶ୍ୟକ। ବୁଣିବାର 30 ଏବଂ 60 ଦିନ ପରେ ମାଟି ଉଠାଇବା ଦରକାର।
11	ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ	ଫଳର ବୃଦ୍ଧି ପାଇଁ ଫୁଲ ଆସିବା ସମୟରେ କ୍ୟାଲସିୟମ ନାଇଟ୍ରେଟ୍ (1% ଦ୍ରବଣ) ସ୍ପ୍ରେ କରନ୍ତୁ।
12	କୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ରୋଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ	ପାଉଡର ମିଲଡ୍ୟୁ: ଟେବୁକୋନାଜୋଲ 50% + ଟ୍ରାଇଫ୍ଲୋକ୍ସିଷ୍ଟ୍ରୋବିନ 25% WG (ଲିଟର ପିଛା 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) କିମ୍ବା କ୍ଲୋରୋଥାଲୋନିଲ 75% WP 1.0 ମିଲି/ଲିଟର ସେରକୋସ୍ପୋରା ପତ୍ର ଦାଗ : କାର୍ବେନଡାଜିମ୍ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ (1 ଗ୍ରାମ୍/ଲିଟର) ଧଳା ମାଛି: ଇମିଡାକ୍ଲୋପ୍ରିଡ୍ 3 0.5% SC (0.5 ମିଲି/ଲିଟର) ଫ୍ରୁଟ୍ ବୋରୋର: ଏମାମେକ୍ଟିନ୍ ବେଞ୍ଜୋଏଟ୍ 5% ଏସଜି(SG) (0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ଏଫିଡ୍/ଥ୍ରିପ୍: ଫ୍ଲୋନିକାମିଡ୍ 50% WG (0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) କିମ୍ବା ଫ୍ଲୁବେଣ୍ଡିଆମାଇଡ୍ 8.33% + ଡେଲ୍ଟାମେଥ୍ରିନ 5.56% W/W SC (0.5 ମିଲି/ଲିଟର) ଫୁସାରିୟମ୍ ୱିଲ୍ଟ (ଝାଉଳା ରୋଗ): କାର୍ବେନଡାଜିମ୍ (1 ଗ୍ରାମ୍/ଲିଟର) ସହିତ ଡ୍ରେଞ୍ଚ୍ ୱାଇ. ଭି. ଏମ୍. ଭି.(YVMV-ପତ୍ରର ଶିରା ହଳଦିଆ ହୋଇଯାଏ) ଏବଂ ଇ. ଏଲ୍. ସି. ଭି. (ELCV- ପତ୍ର ମୋଡା ରୋଗ) କୁ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ କରିବା ପାଇଁ ସହନଶୀଳ ପ୍ରଜାତି ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ଏବଂ ଧଳା ମାଛିଙ୍କ ସଂଖ୍ୟାକୁ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ କରନ୍ତୁ। କ୍ଷେତରେ ରୋଗ ଏବଂ କୀଟପତଙ୍ଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ବିଷୟରେ ଅଧିକ ସୂଚନା ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କର ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରନ୍ତୁ।
13	ଅମଳ	45-50 ଦିନରୁ କଅଁଳିଆ ପତ୍ର ର ଆଗମନ ଆରମ୍ଭ ହୁଏ। ଗୋଟିଏ ପରେ ଗୋଟିଏ ଦିନରେ କଅଁଳିଆ ମଞ୍ଜ ଅମଳ କରନ୍ତୁ।
14	ଆଶାକରାଯାଇଥିବା ଲାଭ	ଭଲ ଭାବରେ ପରିଚାଳିତ ଭେଣ୍ଡି ଆଦର୍ଶ ପରିସ୍ଥିତିରେ ଏକର ପିଛା 15-20 ଟନ୍ ସବୁଜ ମଞ୍ଜ ଉତ୍ପାଦନ କରେ
15	ସଂରକ୍ଷଣ	ଆଦର୍ଶ ଭାବରେ ସଂରକ୍ଷଣ ତାପମାତ୍ରା 7-10 °C, 90-95% ଆପେକ୍ଷିକ ଆର୍ଦ୍ରତା ସହିତ
16	କରନ୍ତୁ ନାହିଁ	ନାଇଟ୍ରୋଜେନ୍ ବ୍ୟବହାର ଉପରେ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ରଖନ୍ତୁ, ଛାୟାରେ ରୋପଣରୁ ଦୂରେଇ ରୁହନ୍ତୁ।
17	କରନ୍ତୁ	ଦୟାକରି ଅନ୍ୟ ଫସଲ ସହିତ ଫସଲ ଆବର୍ତ୍ତନ କରନ୍ତୁ, ଯେପରିକି କୁକୁଡ଼ା ଫୁଲ ସୋଲାନାସିୟସ୍ ଅଟେ।
ଟିପ୍ପଣୀ	ଉପରୋକ୍ତ ସୂଚନା ଏକ ସାଧାରଣ ପରାମର୍ଶ ଅଟେ। ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚଳର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଗ ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ।	
ସତର୍କତା	ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମଳ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ। ତେଣୁ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁପାରିଶ କରାଯାଉଛି। ନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ ଯେ କେବଳ ଉଚ୍ଚମାନର ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ କ୍ରୟ କରିବାର ରସିଦ ଆପଣଙ୍କ ପାଖରେ ରଖନ୍ତୁ।	

অ'ক্রা/ভেন্দি অনুশীলনৰ পেকেট

অভিনন্দন! আপুনি ক্রিষ্টেল পৰিয়ালৰ শ্ৰেষ্ঠতম অ'ক্রা/ভেন্দি সাৰ এটা বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ অ'ক্রা/ভেন্দি বীজ উৎপাদনত ক্রিষ্টেলৰ দৃঢ় অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্ৰিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্রিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্রিষ্টেলৰ অ'ক্রা/ভেন্দি সৰিয়হৰ উৎকৃষ্ট বীজাম্বন আৰু জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপ সহনশীলতাৰ সৈতে উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে।
অনুগ্ৰহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উৎকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

হাইব্ৰিড অ'ক্রা/ভেন্দি	**হাইব্ৰিড. কুবেৰ, হাইব্ৰিড. টেংডৰ, ইংডস-১০১, সুজায, ভেদা (নং.৭)**	**আদিত্য, গৰিমা, হাইব্ৰিড. ঝলক, ইংডস-৩৩**	**অমোঘ, অনিকা, বীএচ-১০৬, হাইব্ৰিড. জানকী, হাইব্ৰিড. ভেদা (নং.৭), ইংডস-১৬১**	**বীএচ-২৯, হাইব্ৰিড. জয হো, ৰস্তম**	**নগমা**	
সময়কাল	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	120-130 DAS	
খাৰিফ	উপযুক্ত	উপযুক্ত	উপযুক্ত	উপযুক্ত	উপযুক্ত	
ৰবি	উপযুক্ত	উপযুক্ত	উপযুক্ত	উপযুক্ত	উপযুক্ত	
বসন্ত	বসন্তৰ আৰম্ভণি	বসন্তৰ আৰম্ভণি	বসন্তৰ আৰম্ভণি	বসন্তৰ আৰম্ভণি	বসন্তৰ আৰম্ভণি	
জলসিঞ্চনৰ উৎস	বানপানী/ড্ৰিপ	বানপানী/ড্ৰিপ	বানপানী/ড্ৰিপ	বানপানী/ড্ৰিপ	বানপানী/ড্ৰিপ	

অনুগ্ৰহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।

ক্ৰমিক নম্বৰ	**সবিশেষ/কাৰ্য্য/অনুশীলন**	**কাৰ্যৰ বিৱৰণ, প্ৰতি একৰ ইনপুট**
1	অঞ্চলটোৰ উপযোগীতা/কৃষি জলবায়ু অঞ্চল	দীৰ্ঘ উষ্ণ ঋতু Okra ৰ বাবে অতি উপযুক্ত। ই বৰষুণৰ প্ৰতি সংবেদনশীল আৰু ২০ ডিগ্ৰী চেলছিয়াছৰ তলত ইয়াৰ বীজবোৰ গজাব নোৱাৰে । 25-30 Cৰ ভিতৰত উত্তম বৃদ্ধি
2	ভূমি মাটি	ভালদৰে পানী ওলাই যোৱা বালি মাটি আৰু জলজ মাটি, Ph 5.5ৰ পৰা 7.0 আদৰ্শগতভাৱে উপযুক্ত।
3	ঋতু বীজ সিঁচাৰ/পলোৱাৰ সময়	জুন-অক্টোবৰ, ফেব্ৰুৱাৰী-এপ্ৰিল দক্ষিণ ভাৰতত। জুলাই-আগষ্ট, ফেব্ৰুৱাৰী-মাৰ্চ উত্তৰ আৰু পশ্চিম ভাৰতত, জুন-জুলাই পূব ভাৰতত
4	বীজৰ হাৰ। বীজ সিঁচা/পলোৱা পদ্ধতি	হাইব্ৰিডৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি 2.5-4.0কেজি কঁঠাল আৰু কঁঠাল।
5	মূল পথাৰৰ প্ৰস্তুতি আৰু ৰোপণ	10 টন বিয়িত FYM প্ৰয়োগ কৰক তাৰ পিছত মাটিত মিশ্ৰিত কৰিবলৈ হৰভিং কৰক। * শৃংগ আৰু ফ্ৰ'ৰাৰ গঠন কৰে * সাৰ প্ৰয়োগৰ প্ৰাৰম্ভিক পালি আৰু সাৰক ঢাকিব লাগে * বীজ সিঁচাৰ দুদিন আগতে পথাৰখন জলসিঞ্চন কৰক। * প্ৰতিডাল বীজত দুটাকৈ ডাবল দিয়ক, দ্ৰুত আৰু ভাল বীজানুৰ বাবে তৎক্ষণাৎ হালধীয়া জলসিঞ্চন দিয়ক
6	ব্যৱধান	শাৰীৰ পৰা শাৰীলৈ: 60 ছেঃমিঃ; গছৰ পৰা গছলৈ: 30 ছেঃমিঃ
7	বীজ সিঁচাৰ আগতে বীজৰ শোধনীকৰণ	ইমাইডাক্লু'প্ৰিড 2 মিলি/কেজিৰ সৈতে শোধন কৰা বীজত প্ৰাৰম্ভিক সুৰক্ষা প্ৰদান কৰে
8	সাৰ আৰু সাৰুৰা পদাৰ্থ	* বীজ সিচাৰ আগতে প্ৰাথমিক পালি : 30:40:ৰ কেজি NPK * বীজ সিঁচাৰ 20-25 দিনৰ পিছত প্ৰথম শীৰ্ষ ড্ৰেছিং:20 কেজি N * প্ৰথম টোপৰ পিছত 20-25 দিনত দ্বিতীয়টো টোপ পেকেজিং: 20 কেজি N
9	জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী	মাটিৰ প্ৰকাৰৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি পথাৰখন জলসিঞ্চন কৰক। 5-6দিনৰ অন্তৰালত এবাৰ হালধীয়া আৰু সঘনাই জলসিঞ্চন কৰিব লাগে। বিশেষভাৱে ফুল ফলৰ সময়ত মূল অঞ্চলত পৰ্যাপ্ত আৰ্দ্ৰতা নিশ্চিত কৰক।
10	অপতৃণ/ আন্তঃখেতি	খেতিপথাৰবোৰ বনৰীয়া শাক-পাচলি মুক্ত কৰি ৰাখিবলৈ দুখন হাতৰ গছ কাটিব লাগে। বীজ সিঁচাৰ পিছত 30 আৰু 60 দিনত মাটি লগোৱা।
11	ক্ষুদ্ৰ পুষ্টি/বৃদ্ধি নিয়ন্ত্ৰক স্প্ৰে	ফুল ফুলাৰ সময়ত কেলচিয়াম নাইট্ৰেট(1% দ্ৰৱ) স্প্ৰে' কৰি ফলৰ চেটিং বৃদ্ধি কৰিব পাৰে।
12	কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ	গুড়ি ভেঁকুৰ: টেবুক'নাজ'ল 50% + ট্ৰাইফ্লক্সিষ্ট্ৰ'বিন 25% WG (প্ৰতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) বা ক্লু'ৰ'থেল'নিল 75% WP 1.0 মিলি/লিটাৰ চেৰক'স্প'ৰা পাতৰ দাগ: কাৰ্বেণ্ডাজিম ব্যৱহাৰ কৰক (1গ্ৰাম/লিটাৰ) বগা মাখি: ইমিডাক্লু'প্ৰিড 30.5% SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) ফলৰ ব'ৰ: ইমামেক্টিন বেনজ'ৱেট 5% SG (0.5 গ্ৰাম/লিটাৰ) এফিড/থ্ৰিপছ: ফ্লনিকমিড 50 % WG (0.5 গ্ৰাম/লিটাৰ) বা ফ্লুবেনডিয়ামাইড 8.33 % + ডেলটামেথ্ৰিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) ফচাৰিয়াম ৱিল্ট : কাৰ্বেণ্ডাজিমৰ সৈতে তিয়াই লওক (1গ্ৰাম/লিটাৰ) YVMV আৰু ELCV নিয়ন্ত্ৰণৰ বাবে সহনশীল জাত ব্যৱহাৰ কৰক আৰু বগা মাখিৰ জনসংখ্যা নিয়ন্ত্ৰণ কৰক। পথাৰত ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ আৰু ৰোগৰ বিষয়ে অধিক তথ্যৰ বাবে অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।
13	শস্য চপোৱা	টেণ্ডাৰ গ্ৰীণ পডৰ প্ৰথম সংগ্ৰহ 45-50 DASৰ পৰা আৰম্ভ হয়। শস্য চপোৱাৰ দিন সলনি কৰক।
14	প্ৰত্যাশিত উৎপাদন	ভালদৰে পৰিচালিত ওক্রাই আদৰ্শ অৱস্থাত প্ৰতি একৰ মাটিত 15-20 টন সেউজীয়া গুটি উৎপন্ন কৰে।
15	সংৰক্ষণ	আদৰ্শভাৱে সংৰক্ষণৰ তাপমাত্ৰা 7-10 °C আৰু আপেক্ষিক আৰ্দ্ৰতা 90-95%
16	নকৰিবা	নাইট্ৰ'জেনৰ ব্যৱহাৰ নিয়ন্ত্ৰণ কৰক, ছাঁত ৰোপণ কৰাৰ পৰা বিৰত থাকক।
17	কৰিবা	অনুগ্ৰহ কৰি অন্য শস্যৰ সৈতে শস্যৰ পৰিৱৰ্তন কৰক যেনে- কুঁহিয়াৰৰ দৰে শস্যৰ পৰিৱৰ্তন কৰক।
টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰামৰ্শৰ বাবেহে দিয়া হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পৰ্কিত বিশেষ পৰামৰ্শৰ বাবে, অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।	
সাৱধানতা	শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উৎপাদন বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্ৰভাৱিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামৰ্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঔষধ ক্ৰয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।	